असंशोधित

बिहार विधान-सभा वादवृत्त

सरकारी प्रतिवेदन

12 फरवरी, 2024

सप्तदश विधान सभा सोमवार, तिथि 12 फरवरी, 2024 ई0
एकादश सत्र 23 माघ, 1945 (शक)

(कार्यवाही प्रारम्भ होने का समय - 11.00 बजे पूर्वाह्न)

(इस अवसर पर माननीय अध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया)

अध्यक्ष : सभा की कार्यवाही प्रारम्भ की जाती है ।

माननीय सदस्यगण, आपलोग अपने-अपने स्थान पर बैठ जायं ।

माननीय सदस्यगण, अब राष्ट्रगान होगा, कृपया अपने-अपने स्थान पर खड़े हो जायं।

(राष्ट्रगान)

प्रारंभिक संबोधन

अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, शांति बनाये रखें ।

माननीय सदस्यगण, सप्तदश बिहार विधान के इस ग्यारहवें सत्र में आपका स्वागत है। इसमें कुल 11 बैठकें होंगी, चूँकि यह बजट सत्र है, इसलिए इसमें बजट को पारित करना सदन का महत्वपूर्ण कार्य है । इस सत्र में सरकार के सदन के प्रति विश्वासमत प्राप्त किये जाने पर विचार होगा । साथ ही सदन के अध्यक्ष के प्रति अविश्वास संकल्प पर विचार होगा । इसके अलावा वर्ष का प्रथम सत्र होने की स्थिति में महामहिम राज्यपाल का अभिभाषण भी होगा ।

माननीय सदस्यगण, यह संसदीय व्यवस्था की खूबसूरती है कि यहां हर तरह के गंभीर विषय आपसी विचार-विमर्श से सुलझाये जाते हैं ।

मेरा आप सबों से आग्रह है कि इस पूरे सत्र में आप अपनी उपस्थिति बनाये रखें और राज्य की जनता के हितों के लिए अपने दायित्वों का निर्वहन करें ।

राज्यपाल से प्राप्त संदेश

माननीय सदस्यगण, बिहार के राज्यपाल महोदय से निम्न संदेश प्राप्त हुआ है :-

भारत के संविधान के अनुच्छेद 176 के खण्ड (1) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं, राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर, बिहार का राज्यपाल, एतद् द्वारा एक साथ समवेत बिहार विधान मंडल के दोनों सदनों को दिनांक 12 फरवरी, 2024 को 11.30 बजे पूर्वाह्न में संबोधित करना चाहता हूँ और बिहार विधान मंडल के विस्तारित भवन के सेंट्रल हॉल, पटना में सदस्यों की उपस्थिति चाहता हूँ ।

पटना, राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर,
दिनांक-01.02.2024 राज्यपाल, बिहार ।

माननीय सदस्यगण, अब से कुछ देर बाद यानी 11.30 बजे दोनों सदनों के सदस्यों के सह-समवेत उपस्थिति में महामहिम राज्यपाल का अभिभाषण विस्तारित भवन के सेंट्रल हॉल में होगा । महामहिम राज्यपाल महोदय का स्वागत करने एवं उन्हें सेंट्रल हॉल में लाने के लिए मैं विस्तारित भवन के मुख्य प्रवेश द्वार पर जाऊंगा । माननीय मुख्यमंत्री जी और माननीय मंत्री, संसदीय कार्य विभाग भी इस हेतु निर्धारित स्थल पर आयेंगे । इस बीच आप सभी माननीय सदस्य चलकर सेंट्रल हॉल में अपना-अपना स्थान ग्रहण करेंगे ।

महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण की समाप्ति के पश्चात् पुनः इस सभा वेश्म में आज के निर्धारित शेष कार्य होंगे ।

अतः आप सभी माननीय सदस्यगण अभिभाषण समाप्त होने के तत्काल बाद सेंट्रल हॉल से आकर इस सदन में अपना-अपना स्थान पुनः ग्रहण कर लेंगे ।

अब आगे की कार्यवाही सेंट्रल हॉल में होगी ।

(इस अवसर पर माननीय अध्यक्ष महोदय महामहिम राज्यपाल महोदय को लाने गये)

(इस अवसर पर सेंट्रल हॉल में महामहिम राज्यपाल महोदय, माननीय अध्यक्ष महोदय एवं माननीय सभापति महोदय का आगमन)

(राष्ट्रधुन)

सभा सचिव : महामहिम राज्यपाल महोदय, बिहार विधान मंडल के दोनों सदनों के माननीय सदस्यगण यहां एकत्रित हैं । अतएव आपसे अनुरोध है कि अभिभाषण देने की कृपा की जाय ।

(महामहिम राज्यपाल महोदय का अभिभाषण)

भारत के संविधान के अनुच्छेद 176 (1) के अधीन
बिहार विधान-मंडल के दोनों सदनों के एक साथ समवेत
अधिवेशन में
बिहार के माननीय राज्यपाल

श्री राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर

का

अभिभाषण

12 फरवरी, 2024

बिहार विधान मंडल के माननीय सदस्यगण,

मैं नव वर्ष के प्रथम सत्र के अवसर पर बिहार विधान मंडल के दोनों सदनों के संयुक्त अधिवेशन में आप सभी को शुभकामनाएँ देता हूँ तथा राज्य की खुशहाली एवं बहुआयामी विकास की कामना करता हूँ। इस सत्र में वित्तीय, विधायी एवं अन्य महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न होने हैं। बिहार विधान मंडल के सभी सदस्यों से बिहार के विकास के लिए रचनात्मक भूमिका अदा करने की अपेक्षा करता हूँ। आपके बहुमूल्य सुझाव एवं विमर्श से बिहार की प्रगति को बल मिलेगा।

राज्य सरकार ने हमेशा से सुशासन एवं न्याय के साथ विकास पर जोर दिया है तथा सभी क्षेत्रों और वर्गों के विकास के लिए राज्य सरकार संकल्पित है। राज्य में कानून का राज स्थापित है और इसे बनाये रखना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सरकार द्वारा अपराध नियंत्रण एवं विधि–व्यवस्था संधारण के लिए सभी आयामों पर योजनाबद्ध तरीके से काम किया गया है। हर थाने के कार्य को दो हिस्सों (1) केसों का अनुसंधान (Investigation of Cases) एवं (2) विधि–व्यवस्था संधारण (Maintenance of Law & Order) में बांटा गया है तथा इसके लिए पुलिस कर्मियों एवं पदाधिकारियों को अलग–अलग जिम्मेदारी दी गयी है, ताकि ठीक ढंग से कार्रवाई हो सके। पुलिस के लिए वाहन एवं अन्य आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराये जा रहे हैं।

वर्ष 2005 में बिहार पुलिस में कार्यरत बल की संख्या काफी कम थी। कुल 72 हजार 410 स्वीकृत पदों के विरूद्ध 42 हजार 481 पुलिसकर्मी कार्यरत थे। कानून व्यवस्था को और बेहतर करने के लिए पुलिस बल की संख्या में बढ़ोत्तरी की गयी है। इसके लिए कुल 2 लाख 27 हजार 873 पदों का सृजन किया गया है तथा इन पदों के विरूद्ध तेजी से बहाली की जा रही है। वर्तमान में राज्य में पुलिस बल की संख्या बढ़कर लगभग 1 लाख 10 हजार हो गयी है। इसके अलावा पुलिस के कुल 21 हजार 391 रिक्त पदों पर नियुक्ति की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है तथा शेष पदों पर भी शीघ्र ही नियुक्ति की जायेगी। सभी पदों पर बहाली होने के बाद राज्य में पुलिस कर्मियों की संख्या प्रति लाख आबादी पर 170 से भी अधिक हो जायेगी जो बिहार की आबादी एवं क्षेत्रफल के हिसाब से पर्याप्त होगी।

विधि व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए राज्य में 2005 से अब तक कुल 297 नये थानों का सृजन किया गया है। साथ ही 28 जिलों में यातायात थानों तथा 44 साईबर थानों का सृजन भी किया गया है। **आपातकालीन स्थिति** से निपटने के लिए **डायल–112 की इमरजेंसी सेवा** प्रारंभ की गयी है। इस व्यवस्था के अन्तर्गत किसी भी प्रकार की आपातकालीन स्थिति जैसे – अपराध की घटना, आग लगने की घटना, वाहन दुर्घटना की स्थिति में या महिला, बच्चों एवं वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा से संबंधित स्थिति में बिहार के किसी भी कोने से कोई भी पीड़ित व्यक्ति 112 नंबर पर निःशुल्क कॉल कर सकता है। पहले यह व्यवस्था जिला मुख्यालयों एवं शहरी क्षेत्रों में लागू थी तथा अब इसका विस्तार पूरे राज्य में किया जा रहा है।

राज्य सरकार द्वारा पिछले कार्यकाल में विकसित बिहार के 7 निश्चय कार्यक्रम लागू किये गये। हर घर तक बिजली पहुँचा दी गई है। हर घर नल का जल, हर घर तक पक्की गली–नाली, हर घर में शौचालय तथा टोलों को ग्रामीण सड़कों से जोड़ने का काम लगभग पूरा हो गया है। कुछ क्षेत्रों में जो भी काम छूटे हैं, उन्हें भी तेजी से कराया जा रहा है। हर घर नल का जल के काम को दो हिस्सों में कराया गया, जिन वार्डों में पेयजल की गुणवत्ता आयरन, आर्सेनिक तथा फ्लोराईड से प्रभावित थी, उनका काम लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग द्वारा तथा अन्य वार्डों का काम पंचायतों एवं नगर निकायों द्वारा कराया गया। अब ग्रामीण एवं नगर क्षेत्रों में हर घर नल का जल योजना का मेन्टेनेंस एवं छूटे हुये वार्डों का पूरा काम लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग द्वारा कराया जा रहा है।

सात निश्चय–2 के तहत योजनाओं का क्रियान्वयन जारी है। **प्रथम निश्चय– युवा शक्ति–बिहार की प्रगति** के तहत राज्य के 149 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में से प्रथम चरण में 60 एवं द्वितीय चरण में 89 में नये सेंटर ऑफ एक्सेलेंस की स्थापना की जानी है, जिसमें अब तक 31 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में सेंटर ऑफ एक्सेलेंस की स्थापना हो चुकी है। सभी पॉलिटेक्निक संस्थानों में गुणवत्ता बढ़ाने के लिए इंडियन इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (IIT) पटना के सहयोग से सेंटर ऑफ एक्सेलेंस स्थापित किये गये हैं। राज्य में अभियंत्रण विश्वविद्यालय, स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय एवं खेल विश्वविद्यालय की स्थापना की जा चुकी है। इन सभी विश्वविद्यालयों में छात्राओं के लिये न्यूनतम एक तिहाई सीटों के आरक्षण का प्रावधान किया गया है।

राज्य में युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने तथा उनमें उद्यमिता विकास को प्रोत्साहन देने के लिये मुख्यमंत्री उद्यमी योजना प्रारंभ की गयी। मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति उद्यमी योजना वर्ष 2018 से लागू है। इस योजना में वर्ष 2020 से अति पिछड़े वर्ग को शामिल करते हुये मुख्यमंत्री अति पिछड़ा वर्ग उद्यमी योजना प्रारंभ की गयी। वर्ष 2021 में सात निश्चय–2 के तहत सभी वर्गों की महिलाओं के लिये मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना प्रारंभ की गयी। इन तीनों योजनाओं में उद्यमियों को 10 लाख रूपये तक की सहायता दी जाती है, जिसमें 5 लाख रूपये का अनुदान एवं 5 लाख रूपये तक का ब्याज मुक्त ऋण दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त वर्ष 2021 में ही सात निश्चय–2 के तहत अन्य वर्गों (सामान्य एवं पिछड़ा वर्ग) के युवाओं के लिये मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना शुरू की गयी, जिसमें 5 लाख रूपये का अनुदान एवं 5 लाख रूपये का ऋण 1 प्रतिशत ब्याज पर दिया जाता है। इसी तरह राज्य के अल्पसंख्यक वर्ग के युवाओं में उद्यमिता एवं स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए सितम्बर, 2023 से मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक उद्यमी योजना प्रारंभ की गयी है। इन सभी योजनाओं में कुल मिलाकर अब तक 40 हजार 49 उद्यमियों को 2 हजार 408 करोड़ रुपये से अधिक की राशि उपलब्ध करायी गयी है। उद्योगों के विकास के लिए सरकार के प्रयासों से हजारों लोगों को रोजगार के नये अवसर मिल रहे हैं।

दूसरे निश्चय "सशक्त महिला, सक्षम महिला" के अन्तर्गत उच्चतर शिक्षा हेतु महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए इन्टर पास करने पर 25 हजार रूपये तथा स्नातक उत्तीर्ण होने पर 50 हजार रुपये दिये जा रहे हैं। पहले यह काम वर्ष 2018 में प्रारंभ हुई मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना के अन्तर्गत किया जा रहा था। उस समय इस योजना के अन्तर्गत इंटर पास करने पर 10 हजार रुपये तथा स्नातक उत्तीर्ण होने पर 25 हजार रुपये की राशि दी जाती थी, जिसे अब सात निश्चय–2 के तहत वर्ष 2021 से बढ़ाकर क्रमशः 25 हजार रुपये एवं 50 हजार रुपये कर दिया गया है। अब तक इंटर पास 12 लाख से अधिक छात्राओं को तथा स्नातक उत्तीर्ण 1 लाख 60 हजार से अधिक छात्राओं को आर्थिक सहायता दी जा चुकी है। साथ ही सात निश्चय–2 के अन्तर्गत शुरू की गयी मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना के तहत 6 हजार 753 महिलाओं को लाभ मिला है।

सरकार के **तीसरे निश्चय "हर खेत तक सिंचाई का पानी"** के अंतर्गत तकनीकी सर्वेक्षण कर 29 हजार 952 योजनाओं का चयन किया गया है एवं 4 विभागों यथा–जल संसाधन विभाग, लघु जल संसाधन विभाग, ग्रामीण विकास विभाग और कृषि विभाग द्वारा इस काम को कराया जा रहा है। अब तक जल संसाधन विभाग द्वारा 666, लघु जल संसाधन विभाग द्वारा सतही जल से सिंचाई की 306, कृषि विभाग द्वारा 880 तथा ग्रामीण विकास विभाग द्वारा 187 योजनाएँ पूर्ण की जा चुकी हैं। इन योजनाओं से 2 लाख 75 हजार हेक्टेयर से भी अधिक क्षेत्र में अतिरिक्त सिंचाई क्षमता का सृजन हुआ है। इस काम को तेजी से कराया जा रहा है।

सरकार के **चौथे निश्चय** ''स्वच्छ गाँव, **समृद्ध गाँव**'' के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में सोलर स्ट्रीट लाईट लगाने का काम चल रहा है। सभी पंचायतों के प्रत्येक वार्ड में औसतन 10–10 सोलर स्ट्रीट लाईट लगाई जा रही है। प्रत्येक वार्ड में 10–10 सोलर स्ट्रीट लाईट के अलावा हर पंचायत में 10 अतिरिक्त सोलर लाईट की व्यवस्था की गयी है, जिनका उपयोग उस पंचायत के बड़े वार्डों तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों जैसे – स्कूल, स्वास्थ्य केन्द्र, पंचायत सरकार भवन आदि के लिए किया जा सकेगा। सोलर स्ट्रीट लाईट से गाँव में रातभर रोशनी मिलती रहेगी। कई वार्डों में सोलर स्ट्रीट लाईट का काम पूरा हो गया है और अगले वर्ष के अंत तक सभी वार्डों में काम पूरा करा दिया जायेगा।

सरकार के **पाँचवें निश्चय ''स्वच्छ शहर–विकसित शहर''** के अन्तर्गत 122 नगर निकायों में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन की व्यवस्था पूरी हो गयी है तथा 261 नगर निकायों में यह व्यवस्था की जा रही है। मोक्षधाम योजना के अन्तर्गत जिला मुख्यालयों एवं महत्वपूर्ण नदी घाटों के आसपास शवदाह गृह निर्माण की 39 योजनाओं की स्वीकृति दी गयी है, जिसमें 9 योजनाओं पर कार्य प्रारंभ हो गया है। शहरों में स्टोर्म ड्रेनेज के लिए पूर्व से 13 योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है तथा हाल ही में स्वीकृत 11 शहरों की योजनायें निविदा की प्रक्रिया में हैं।

सरकार के **छठे निश्चय ''सुलभ संपर्कता''** के तहत जाम की समस्या से मुक्ति एवं सुचारू यातायात के लिए 36 बाईपास का निर्माण प्रस्तावित है। प्रथम चरण में शुरू की गयी 20 योजनाओं में से 4 योजनाओं का काम पूरा हो चुका है एवं 11 योजनाओं में कार्य प्रगति पर है तथा 5 योजनाओं में कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। ग्रामीण क्षेत्रों में सर्वेक्षण कर गांवों को महत्वपूर्ण स्थानों से सम्पर्कता प्रदान करने के लिए ग्रामीण पथों की 1 हजार 623 योजनाएँ चिन्हित की गयी हैं, जिनकी कुल लम्बाई 12 हजार 250 किलोमीटर है। इस योजना को अंतिम रूप दिया जा रहा है तथा शीघ्र ही इन पर काम प्रारंभ किया जायेगा।

सरकार के **सातवें निश्चय ''सबके लिए अतिरिक्त स्वास्थ्य सुविधा''** के तहत फरवरी 2021 से गाँवों के 7 हजार 800 स्वास्थ्य उपकेन्द्रों में टेलीमेडिसिन की व्यवस्था की गई है। अब सामान्य बीमारियों के लिये लोगों को दूर स्थित अस्पतालों में नहीं जाना पड़ता है। इससे बुजुर्ग एवं निःशक्त लोगों तथा महिलाओं को विशेष रूप से काफी सुविधा हुई है। अब तक 1 करोड़ 18 लाख से अधिक लोगों ने इसका लाभ लिया है।

हृदय में छेद के साथ जन्मे बच्चों के निःशुल्क उपचार हेतु सात निश्चय–2 के अन्तर्गत 1 अप्रैल, 2021 से ''बाल हृदय योजना'' लागू की गयी है। इस योजना में प्रशान्ति फाउंडेशन के सहयोग से गुजरात के अहमदाबाद में अवस्थित सत्यसाईं अस्पताल में ऐसे बच्चों का मुफ्त इलाज करवाया जाता है। इसके तहत 6 वर्ष से अधिक उम्र के बच्चों के साथ एक अभिभावक एवं 6 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के साथ माँ एवं एक और अभिभावक के लिए 10 हजार रूपये प्रति व्यक्ति की दर से सहायता राशि देने की व्यवस्था है। अब पटना के इंदिरा गाँधी हृदय रोग संस्थान (IGIC) एवं इंदिरा गाँधी आयुर्विज्ञान संस्थान (IGIMS) में भी ऐसे बच्चों को यही चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इस योजना के अंतर्गत अब तक 1 हजार 134 बच्चों का सफल ईलाज किया गया है, जिसमें से सत्यसाईं अस्पताल में 887, IGIC में 218 तथा IGIMS मे 29 बच्चों का ईलाज किया जा चुका है।

वर्ष 2008 से ही राज्य में कृषि रोड मैप बनाकर कृषि विकास कार्यक्रम चलाये गये, जिससे फसलों, फलों एवं सब्जियों के उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि हुई। राज्य में धान, गेहूँ एवं मकई की उत्पादकता पहले के मुकाबले लगभग दोगुनी हो गयी है। साथ ही दूध,

अंडा, मांस एवं मछली उत्पादन में काफी वृद्धि हुयी है। मछली का उत्पादन ढाई गुना से अधिक हो गया है, जिससे मछली के उत्पादन में बिहार लगभग आत्मनिर्भर हो गया है। वर्तमान में चौथे कृषि रोड मैप का क्रियान्वयन शुरू हो चुका है, जिसमें कृषि प्रक्षेत्र के समग्र विकास हेतु लगभग 1 लाख 62 हजार करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गयी है। भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी के कर कमलों से 18 अक्टूबर, 2023 को पटना में चतुर्थ कृषि रोड मैप का शुभारंभ किया गया है। साथ ही किसानों को कृषि उत्पादों को बाजार की सुविधा एवं वाजिब मूल्य उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य के 21 बाजार प्रांगणों के आधुनिकीकरण एवं समुचित विकास के लिए कुल 1 हजार 289 करोड़ रूपये की लागत से योजनाओं का कार्यान्वयन किया जा रहा है।

राज्य सरकार पर्यावरण संरक्षण के प्रति पूरी तरह सजग है। वर्ष 2019 में शुरू किये गये जल–जीवन–हरियाली अभियान के सभी 11 अवयवों पर मिशन मोड में काम हो रहा है। तालाब–पोखर, आहर–पईन एवं कुँओं को अतिक्रमण मुक्त करा कर उनका जीर्णोद्धार कराया जा रहा है। सरकार ने निर्णय लिया है कि जल संरचनाओं को अतिक्रमण् मुक्त करते समय गरीब एवं गृहविहीन विस्थापित लोगों को रहने की वैकल्पिक व्यवस्था की जायेगी। इसके तहत अब तक 1 हजार 735 परिवारों को आवास योजना की स्वीकृति दी गयी है। जल–जीवन–हरियाली अभियान के अंतर्गत गंगाजल आपूर्ति योजना के तहत जल संकट वाले क्षेत्रों गया, बोधगया, राजगीर एवं नवादा शहरों में शुद्ध पेय गंगाजल की आपूर्ति शुरू कर दी गयी है।

राज्य में सड़कों तथा पुल–पुलियों का जाल बिछाकर, राज्य के सुदूर क्षेत्रों से 6 घंटे में राजधानी पटना पहुँचने का लक्ष्य वर्ष 2016 में ही पूरा कर लिया गया है। अब इस लक्ष्य को 5 घंटे किया गया है और इस पर तेजी से कार्य जारी है। साथ ही सुगम यातायात हेतु पटना सहित अन्य जिलों में फ्लाई ओवर एवं ऐलिवेटेड रोड का निर्माण कराया जा रहा है। अब राज्य में सभी सड़कों, पुल–पुलियों तथा भवनों के मेंटेनेंस पर जोर दिया जा रहा है, जिसे विभागीय स्तर पर करने की व्यवस्था की जा रही है।

राज्य सरकार द्वारा शुरू से शिक्षा पर जोर दिया गया है। विद्यालयों में एक ओर जहाँ पोशाक, साईकिल, छात्रवृत्ति एवं अन्य कई योजनाएँ लागू की गई, वहीं दूसरी ओर विद्यालयों की आधारभूत संरचनाओं को मजबूत किया गया। इसी का परिणाम है कि अब मैट्रिक में लड़कियों की संख्या लड़कों के लगभग बराबर पहुंच गयी है। सरकार द्वारा बालिका शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया है। सभी पंचायतों में उच्च माध्यमिक विद्यालय स्थापित किये गये हैं, इसके लिए 2 हजार 768 स्कूलों में नये विद्यालय भवन एवं 3 हजार 530 विद्यालयों में अतिरिक्त क्लास रूम आदि के निर्माण हेतु कुल 7 हजार 530 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी गयी है, जिस पर तेजी से काम जारी है। बालिका शिक्षा हेतु किये गये इन्हीं प्रयासों के कारण बिहार में प्रजनन दर जो वर्ष 2005 में 4.3 थी वह अब घटकर 2.9 रह गयी है।

राज्य में वर्ष 2005 से ही बड़े पैमाने पर शिक्षकों की बहाली की गयी है। वर्ष 2005 से जून, 2022 तक लगभग 3 लाख 68 हजार शिक्षकों की नियुक्ति की गयी। इसी क्रम में हाल ही में राज्य सरकार द्वारा 2 लाख 20 हजार से अधिक सरकारी शिक्षकों की और बहाली की गयी है। इस शिक्षक बहाली से बिहार का शिक्षक–छात्र अनुपात राष्ट्रीय औसत के बराबर पहुँच गया है। साथ ही लगभग 87 हजार पदों पर शीघ्र ही बहाली प्रस्तावित है। राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2006–07 से बड़े पैमाने पर नियोजित शिक्षकों की नियुक्ति की गयी थी। वर्ष 2006–07 में प्रशिक्षित शिक्षक को 5 हजार रुपये तथा अप्रशिक्षित शिक्षक् को 4 हजार रुपये प्रति माह वेतन मिलता था। इनके वेतन में समय–समय पर काफी वृद्धि की गयी और

वर्तमान में उन्हें लगभग 40 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन मिल रहा है। सरकार द्वारा इन नियोजित शिक्षकों को सरकारी शिक्षक बनाने के लिए एक अलग से परीक्षा ली जायेगी, जिसमें उन्हें तीन बार भाग लेने का मौका मिलेगा तथा पास होने पर वे सरकारी शिक्षक बन जायेंगे। इस परीक्षा का आयोजन प्रक्रियाधीन है।

राज्य में बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं में व्यापक सुधार हुआ है, जिसके परिणामस्वरूप प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में उपचार कराने वाले रोगियों की संख्या वर्ष 2005 में प्रतिमाह 39 से बढ़कर अब 11 हजार 615 हो गई है। स्वास्थ्य केन्द्रों में दवाईयों के मुफ्त वितरण की सुविधा अगस्त, 2006 से प्रारंभ की गई, जिसका शुभारंभ तत्कालीन उप राष्ट्रपति माननीय श्री भैंरो सिंह शेखावत जी द्वारा न्यूगार्डिनर रोड अस्पताल, पटना से किया गया।

2005 में 6 सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल थे, जबकि आज सरकारी प्रक्षेत्र में 11 मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल कार्यरत हैं। वर्तमान में 15 नये मेडिकल कॉलेज निर्माणाधीन हैं, जिनमें से 7 मेडिकल कॉलेज राज्य की अपनी निधि से तथा 8 मेडिकल कॉलेज केन्द्र सरकार के सहयोग से बनाये जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (पी०एम०सी०एच०) को 5 हजार 462 बेड की क्षमता वाले आधुनिक विश्वस्तरीय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के रूप में बनाया जा रहा है। यह देश का सबसे बड़ा अस्पताल होगा। इसके अतिरिक्त इंदिरा गाँधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आई०जी०आई०एम०एस०), पटना, नालन्दा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एन०एम०सी०एच०), पटना सिटी, श्रीकृष्ण मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एस०के०एम०सी०एच०), मुजफ्फरपुर, अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (ए०एन०एम०एम०सी०एच०), गया तथा दरभंगा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (डी०एम०सी०एच०), दरभंगा को 2 हजार 500 बेड के अस्पताल के रूप में विकसित किया जा रहा है।

सरकार द्वारा महिला सशक्तीकरण पर जोर दिया गया है और महिलाओं को रोजगार देने एवं उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई कदम उठाये गये हैं। महिलाओं को पुलिस एवं सभी सरकारी नौकरियों में आरक्षण का लाभ मिल रहा है। पहले बिहार में स्वयं सहायता समूह काफी कम हुआ करते थे। वर्ष 2006 में विश्व बैंक से कर्ज लेकर राज्य में स्वयं सहायता समूहों के गठन के लिए परियोजना शुरू की गयी, जिसका नामकरण "जीविका" किया गया। जीविका के अंतर्गत अब तक 10 लाख 47 हजार स्वयं सहायता समूहों का गठन हो चुका है, जिसमें 1 करोड़ 30 लाख से भी अधिक महिलाएँ जुड़कर जीविका दीदियाँ बन गई हैं। स्वयं सहायता समूहों में किये जा रहे कामों से जीविका दीदियों में जागृति आ रही है और वे आर्थिक रूप से सक्षम एवं स्वावलंबी बन रही हैं। अब तक जीविका दीदियों का काम ग्रामीण क्षेत्रों में ही हो रहा है परंतु अब शहरी क्षेत्रों में भी जीविका के अन्तर्गत स्वयं सहायता समूहों के गठन का निर्णय हो गया है तथा जल्दी ही यह काम शुरू हो जायेगा। इनसे जुड़ने वाली महिलाओं को भी जीविका दीदी ही कहा जायेगा।

सरकार ने शुरू से ही वंचित वर्गों के लोगों के लिए काम किया तथा इन्हें मुख्यधारा में जोड़ने के लिए विशेष योजनाएँ चलाई गयी। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति तथा अति पिछड़ा वर्ग के शैक्षणिक, आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान हेतु विभिन्न कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2018 से अनुसूचित जाति एवं जनजाति तथा अति पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना चलायी जा रही है। इसमें बिहार लोक सेवा आयोग (BPSC- Bihar Public Service Commission) एवं संघ लोक सेवा आयोग (UPSC- Union Public Service Commission) की प्रारंभिक परीक्षा (PT) पास करने वाले अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा की तैयारी हेतु क्रमशः 50 हजार रूपये एवं एक लाख रुपये

प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। अब तक BPSC एवं UPSC की प्रारंभिक परीक्षा (PT) में अनुसूचित जाति एवं जनजाति के 4 हजार 113 तथा अति पिछड़े वर्ग के 5 हजार 915 उत्तीर्ण अभ्यर्थियों ने योजना का लाभ लिया है।

ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने तथा कमजोर वर्गों के युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने हेतु वर्ष 2018 में मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना लागू की गयी है। इसके तहत प्रत्येक पंचायत में 5 सुयोग्य लाभुकों को वाहनों की खरीद के लिए अधिकतम 1 लाख रुपये का अनुदान दिया जा रहा है। इन 5 लाभुकों में से 3 अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति तथा 2 अति पिछड़ा वर्ग के होते हैं। अब तक अनुसूचित जाति एवं जनजाति के 25 हजार 559 एवं अति पिछड़ा वर्ग के 19 हजार 195 युवाओं ने इस योजना का लाभ लिया है। अब इसका विस्तार करते हुये प्रखण्डों एवं सुदूर पंचायत को जिला मुख्यालय से जोड़ने हेतु मुख्यमंत्री प्रखंड परिवहन योजना लागू की गयी है। इस योजना के तहत प्रति प्रखण्ड (जिला मुख्यालय के प्रखण्डों को छोड़कर) 7 लाभुकों को बस के क्रय पर प्रति बस 5 लाख रुपये का अनुदान दिया जायेगा। इन 7 लाभुकों में 2 लाभुक अत्यंत पिछड़ा वर्ग, 1 पिछड़ा वर्ग एवं 2 अनुसूचित जाति वर्ग तथा शेष 2 सामान्य वर्ग के होंगे। जिन प्रखण्डों में अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या 1 हजार से ज्यादा होगी, उस प्रखण्ड में 1 अतिरिक्त अनुसूचित जनजाति के लाभुक को भी योजना का लाभ दिया जायेगा।

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति तथा अति पिछड़ा वर्ग के छात्र–छात्राओं के लिए बड़ी संख्या में आवासीय विद्यालय एवं छात्रावासों का निर्माण कराया जा रहा है। वर्तमान में अनुसूचित जाति एवं जनजाति के 45 आवासीय विद्यालय संचालित हैं। राज्य सरकार द्वारा अनुसूचित जाति की 50 हजार से अधिक आबादी वाले 40 प्रखंडों में आवासीय विद्यालय बनाने का निर्णय लिया गया है, जिसमें से 19 आवासीय विद्यालय के निर्माण की स्वीकृति दी जा चुकी है। अगले दो वर्षों में सभी आवासीय विद्यालयों का निर्माण करा लिया जायेगा। अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए पूर्व से 12 कन्या आवासीय संचालित है, 27 नये कन्या आवासीय विद्यालय का निर्माण कार्य जारी है।

वर्ष 2006–07 से अल्पसंख्यक समुदाय के छात्र–छात्राओं को नौकरियों हेतु प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी के लिए मुफ्त कोचिंग योजना संचालित है। अब तक 22 हजार 232 छात्र–छात्राओं ने इस योजना का लाभ लिया है। तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं के लिए परित्यक्ता सहायता योजना की शुरूआत वर्ष 2006–07 में की गयी थी। उस समय 10 हजार रुपये की राशि दी जाती थी, जिसे वर्ष 2017–18 से बढ़ाकर 25 हजार रुपये कर दिया गया है। इस योजना के तहत अब तक 15 हजार 49 महिलाओं ने सहायता ली है।

पूर्व में मदरसा शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों की स्थिति बहुत खराब थी। सरकार ने समय–समय पर मदरसा शिक्षकों एवं कर्मियों के वेतन में बढ़ोत्तरी की तथा वर्ष 2019 से मदरसों के शिक्षकों एवं कर्मियों का वेतन बढ़ाकर अन्य शिक्षकों के अनुरूप कर दिया है। वक्फ की भूमि पर बहुद्देशीय भवन, मुसाफिरखाना, विवाह भवन, व्यावसायिक भवन (दुकान, मार्केट कॉम्पलेक्स) आदि का निर्माण कराया जा रहा है। 13 जिलों में वक्फ की भूमि पर +2 स्तर के विद्यार्थियों के लिए अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय निर्माण की योजना स्वीकृत की गयी है, जिनमें से दरभंगा एवं किशनगंज में आवासीय विद्यालय निर्माण का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा शेष में कार्य प्रक्रियाधीन है। पटना में अंजुमन इस्लामिया भवन का भव्य एवं आकर्षक रूप से पुनर्निर्माण कराया गया है।

राज्य में सामाजिक सौहार्द्र एवं साम्प्रदायिक सद्भाव का माहौल कायम है। साम्प्रदायिक तनाव की घटनायें प्रकाश में आने पर पुलिस एवं प्रशासन द्वारा त्वरित कार्रवाई की जा रही है। राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2006 से ही कब्रिस्तानों की घेराबंदी की योजना शुरू की गयी है, जिसमें राज्य के मिली–जुली आबादी के इलाकों वाले एवं अन्य संवेदनशील कब्रिस्तानों की घेराबंदी की जा रही है। राज्य में 9 हजार 273 संवेदनशील कब्रिस्तानों को घेराबंदी के लिए चिन्हित किया गया है, जिसमें से 8 हजार 519 कब्रिस्तानों की घेराबंदी पूर्ण कर ली गयी है, 311 पर कार्य जारी है तथा 443 कब्रिस्तान घेराबंदी की योजना प्रक्रियाधीन है।

वर्ष 2016 से बिहार मंदिर चहारदीवारी निर्माण योजना शुरू की गयी है, क्योंकि मंदिरों में यदा–कदा मूर्ति चोरी आदि की घटनाएं हो जाती हैं। इसके अंतर्गत 60 वर्ष से पुराने धार्मिक न्यास पर्षद् में निबंधित मंदिरों की घेराबंदी की जा रही है। इसके अन्तर्गत अब तक 419 मंदिरों की चहारदीवारी की जा चुकी है। अब आवश्यकतानुसार 60 वर्ष से कम समय से स्थापित मंदिरों की चहारदीवारी भी करायी जाएगी।

शुरू से ही सरकार का प्रयास है कि युवाओं को ज्यादा–से–ज्यादा नौकरी एवं रोजगार के अवसर मिलें। वर्ष 2005 से लेकर 2020 तक लगभग 5 लाख 35 हजार से अधिक युवाओं को नौकरी दी गयी है तथा लाखों लोगों को रोजगार मिला है। इसी क्रम में वर्ष 2020 में सात निश्चय–2 के अंतर्गत घोषणा की गयी थी कि आने वाले वर्षों में 10 लाख नौकरी एवं 10 लाख रोजगार के अवसर सृजित किये जायेंगे। इसके तहत अब तक 3 लाख 63 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी दे दी गयी है। इसमें बड़ी संख्या में शिक्षक, पुलिस कर्मी एवं अन्य विभागों के कर्मी शामिल हैं। वर्तमान में 1 लाख 27 हजार पदों पर बहाली की प्रक्रिया जारी है, जिसमें शिक्षा, पुलिस, स्वास्थ्य, राजस्व एवं भूमि सुधार तथा अन्य विभागों के पद शामिल हैं। साथ ही लगभग 1 लाख युवाओं को संविदा पर नियोजित किया गया है। इसके अतिरिक्त विभिन्न विभागों में लगभग 3 लाख पदों का सृजन किया गया है, जिन पर नियुक्ति की जायेगी। इसके अलावा 5 लाख से अधिक युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया गया है। राज्य सरकार इस काम में लगी हुयी है और शीघ्र ही इस लक्ष्य को प्राप्त कर लिया जायेगा।

राज्य सरकार ने अपने संसाधनों से जाति आधारित गणना करायी है और इसके आंकड़ों को जारी किया गया है, जिसके अनुसार बिहार की कुल आबादी 13 करोड़ 7 लाख 25 हजार 310 है, जिसमें 53 लाख 72 हजार 22 लोग बिहार के बाहर रह रहे हैं तथा 12 करोड़ 53 लाख 53 हजार 288 लोग बिहार में रह रहे हैं। जाति आधारित गणना के अनुसार पिछड़ा वर्ग की 27.12 प्रतिशत, अत्यंत पिछड़ा वर्ग की 36.01 प्रतिशत, अनुसूचित जाति की 19.65 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति की 1.68 प्रतिशत तथा सामान्य वर्ग की 15.52 प्रतिशत आबादी है। समाज के सभी कमजोर वर्गों के सामाजिक उत्थान के लिए राज्य सरकार ने कानून बनाकर आरक्षण की सीमा 50 से बढ़ाकर 65 प्रतिशत कर दिया है। इसके अन्तर्गत अनुसूचित जाति के लिए आरक्षण सीमा को 16 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत, अनुसूचित जन जाति के लिए आरक्षण की सीमा को 1 प्रतिशत से बढ़ाकर 2 प्रतिशत, अत्यंत पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण की सीमा को 18 प्रतिशत से बढ़ाकर 25 प्रतिशत तथा पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण की सीमा को 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। इसके अलावा सामान्य श्रेणी के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण पूर्ववत लागू रहेगा। इन सभी वर्गों को मिलाकर अब कुल आरक्षण 75 प्रतिशत हो गया है।

जाति आधारित गणना में लोगों की आर्थिक स्थिति की जानकारी भी ली गयी है। इसमें गरीब परिवारों की कुल संख्या 94 लाख पायी गयी है, जिसमें सभी वर्गों के लोग शामिल हैं। गरीब परिवारों को आगे बढ़ाने के लिए "मुख्यमंत्री लघु उद्यमी योजना" शुरू की गयी है, जिसके तहत सभी वर्गों के चिन्हित गरीब परिवारों के एक सदस्य को 2 लाख रुपये की सहायता दी जायेगी। जिन परिवारों के पास आवास नहीं है उन्हें जमीन खरीदने हेतु निर्धारित राशि को 60 हजार से बढ़ाकर 1 लाख रुपये कर दिया है। साथ ही मकान बनाने के लिए उन्हें 1 लाख 20 हजार रुपये अलग से दिये जायेंगे। वर्ष 2018 से "सतत जीविकोपार्जन योजना" के तहत अत्यंत निर्धन परिवार को रोजगार हेतु दी जा रही सहायता राशि को 1 लाख रूपये से बढ़ाकर 2 लाख रूपये कर दिया गया है। इन सब कार्यों में कुल मिलाकर 2 लाख 50 हजार करोड़ रूपये का व्यय अनुमानित है, जिसके कारण इसे अगले 5 सालों में पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

1 फरवरी, 2024 को केन्द्र सरकार द्वारा संसद में अंतरिम बजट प्रस्तुत किया गया है। यह बजट सकारात्मक एवं स्वागत योग्य है। बजट में उच्च शिक्षा के लिए लोन की राशि बढ़ायी गयी है, जिससे युवाओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने में सहूलियत होगी। 3 नये रेलवे इकोनॉमिक कॉरिडोर की शुरूआत होने से देश का आर्थिक विकास और तीव्र गति से हो सकेगा। मध्यम वर्ग के लिए विशेष आवास योजना लायी जा रही है, जिससे किराये के घरों एवं झुग्गी, बस्तियों में रहने वाले लोगों को आवास का लाभ मिल सकेगा। उद्योगों के विकास के लिए स्टार्टअप के टैक्स स्लैब में एक साल के लिए छूट बढ़ायी गयी है, जिससे औद्योगिक विकास को गति मिलेगी तथा युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। मनरेगा का बजट बढ़ाया गया है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार बढ़ेगा। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत दी जाने वाली राशि से किसानों को आर्थिक मदद मिली है तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है। इस सकारात्मक बजट के लिए केन्द्र सरकार को धन्यवाद।

केन्द्र सरकार द्वारा बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और महान समाजवादी नेता जननायक स्व0 कर्पूरी ठाकुर जी को देश के सर्वोच्च सम्मान "भारत रत्न" से सम्मानित किया गया है। यह हमलोगों के लिए अत्यंत प्रसन्नता का विषय है। इसके लिए केन्द्र सरकार को धन्यवाद।

मेरे द्वारा आपके समक्ष रखी गयी सरकार की उपलब्धियों एवं कार्यक्रमों से स्पष्ट है कि सरकार न्याय के साथ विकास के मूल मंत्र को ध्यान में रखते हुए राज्य के सभी क्षेत्रों एवं सभी वर्गों के उत्थान के लिए सतत् प्रयत्नशील है। मुझे विश्वास है कि वर्तमान सत्र में वित्तीय एवं विधायी कार्यों के साथ–साथ राज्य के सर्वांगीण विकास के मुद्दों पर सार्थक चर्चा होगी जो राज्य के विकास में सहायक होगा। मुझे भरोसा है कि सभी सदस्य जिम्मेवारी के साथ सत्र के संचालन में अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे। मुझे धैर्य एवं ध्यानपूर्वक सुनने के लिए आप सभी माननीय सदस्यों को धन्यवाद।

जय हिन्द।

बि0स0मु0 (संसदीय), 1–मो0जी0–800 + 10

सभा सचिव : महामहिम राज्यपाल महोदय का अभिभाषण समाप्त हुआ ।

(राष्ट्रधुन)

(इस अवसर पर महामहिम राज्यपाल महोदय को विदा करने माननीय अध्यक्ष महोदय गये)

टर्न-2/शंभु/12.02.2023

(महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण की समाप्ति के
पश्चात् पुनः सभा वेश्म में कार्यवाही)

(इस अवसर पर माननीय अध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया)

अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण के पश्चात् सभा की कार्यवाही फिर से प्रारंभ की जाती है ।

माननीय सदस्यगण, मुझे यानी अध्यक्ष, बिहार विधान सभा को पद से हटाये जाने की सूचना दी गयी है । तकनीकी रूप से यह सही है क्योंकि यह सूचना चौदह दिन पहले दी गयी है । माननीय सदस्य, श्री नन्द किशोर यादव जी, श्री जीतन राम मांझी जी एवं अन्य सात माननीय सदस्यों ने संसदीय प्रक्रिया का निर्वहन किया है । फिर भी मैं उन्हें धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने मेरे विरुद्ध इस सूचना में न तो कोई आरोप लगाया है और न ही कोई लांछन व्यक्त की है ।

अतः मैं इस सूचना को सदन में प्रस्तुत करने की अनुमति देता हूँ । माननीय सदस्य श्री नन्द किशोर यादव जी, आप अपने संकल्प को सभा के समक्ष रखें ।

श्री नन्द किशोर यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ कि

''बिहार विधान सभा कि प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम 110 के तहत वर्तमान माननीय अध्यक्ष, बिहार विधान सभा को उनके पद से हटाने पर सभा की सहमति हो ।''

अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, जो इस प्रस्ताव के पक्ष में हैं कृपया अपने-अपने स्थान पर खड़े हो जाएं ।

(इस अवसर पर प्रस्ताव के पक्ष में माननीय सदस्यगण अपने-अपने स्थान पर खड़े हो गये)

मैं देख रहा हूँ कि कई माननीय सदस्य इस प्रस्ताव के पक्ष में खड़े हैं, निश्चित तौर पर यह संख्या-38 से अधिक है । नियमानुसार इसमें सिर्फ 38 माननीय सदस्यों के ही पक्ष में खड़े होने की बाध्यता है इसलिए इस प्रस्ताव को सभा की अनुमति दी जाती है । आप सब कृपया बैठ जाएं ।

अब मैं माननीय उपाध्यक्ष जी से आग्रह करता हूँ कि वे आसन पर आयें और आगे की कार्यवाही संचालित करें ।

आप सब की इजाजत हो तो मैं एक-दो बात कहकर आप सब के बीच बैठना चाहूँगा ।

माननीय सदस्यगण, अध्यक्ष के इस आसन पर मैं लगभग डेढ़ वर्षों तक रहा । आप लोगों ने सर्वसम्मति से मुझे इस आसन पर बिठाया था । मैं इसके लिए पूर्व में रहे माननीय मुख्यमंत्री, माननीय उपमुख्यमंत्री एवं मंत्रिपरिषद के सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ । मैं जिस दल से आता हूँ उसके नेता आदरणीय लालू प्रसाद, पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती राबड़ी देवी के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूँ। साथ ही, मैं सदन के सभी दलों के नेता एवं माननीय सदस्यों को हृदय से धन्यवाद देता हूँ ।

अपने इस अल्प समय में मैंने माननीय सदस्यों के हितों का हमेशा संरक्षण किया और यह प्रयास किया कि माननीय सदस्य चाहे वह किसी भी दल के हों, उन्हें विधान सभा में कोई असुविधा न हो । माननीय सदस्यों को अपने क्षेत्र एवं जिलों के प्रखण्ड एवं समाहरणालय में बैठने का कोई स्थान नहीं है । पूर्व में सदन में लिए गए निर्णय का मैंने त्वरित कार्यान्वयन हेतु सरकार से आग्रह भी किया, पत्र भी लिखा । सरकार माननीय सदस्यों की मर्यादा और उनके प्रोटोकॉल के प्रति तो प्रतिबद्ध रहती ही है । मैं चाहूँगा कि सरकार इसे और गंभीरता से माननीय सदस्यों के मान-सम्मान की रक्षा करने की कार्रवाई करेगी ।

मैंने आसन पर बतौर अध्यक्ष रहते हुए भारतीय संविधान, विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली में निहित नियम एवं प्रावधान तथा संसदीय परंपराओं के अनुरूप ही सदन का संचालन करने में अपनी भूमिका निभाई है । राजनीति तो आंकड़ों का खेल है । सत्ता आएगी और जाएगी, लोकतंत्र के इस मंदिर की सार्वभौमिकता और सम्मान सदा बरकरार रहेगा । कल जो था, वो आज नहीं है, आज जो है, वो कल नहीं रहेगा । मुझे आपने सदन से निर्वाचित कर जो संसदीय दायित्व सौंपा था, उसका मैंने पूरी निष्ठा, कर्त्तव्य परायणता और ईमानदारी से निर्वहन किया ।

मैं सदन के सभी सदस्यों के सुखद जीवन की कामना करता हूँ । मुझे ऐसा प्रतीत होता है कि मेरे विरुद्ध यह अविश्वास प्रस्ताव आना एक संसदीय प्रक्रिया का निवर्हन है । आप सब इसमें भाग ले रहे हैं । भारतीय संविधान के अनुच्छेद-179(C) में अध्यक्ष/उपाध्यक्ष को पद से हटाये जाने का प्रावधान है, जिसके अनुसार विधान सभा के तत्कालीन सदस्य समस्त सदस्यों के बहुमत संकल्प के द्वारा अपने पद से हटाया जा सकेगा । वर्तमान में बिहार विधान सभा के सदस्यों की कुल संख्या-243 है, बहुमत हेतु 122 सदस्यों का अविश्वास के पक्ष में मत होना चाहिए, तभी इसे अस्वीकृत माना जाएगा । अब मैं आपके बीच आता हूँ। अब माननीय उपाध्यक्ष जी सदन का संचालन करेंगे । बहुत-बहुत धन्यवाद आप लोगों को ।

(इस अवसर पर माननीय उपाध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया)

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, आज अध्यक्ष के पद पर अविश्वास प्रस्ताव आया है इसलिए मैं पक्ष, विपक्ष दोनों माननीय सदस्यों से आग्रह कहना चाहूंगा कि बिहार की जो गरिमा है, बिहार में जो राजनीति में मान-सम्मान, प्रतिष्ठा है । मैं दोनों पक्ष, विपक्ष के साथियों से आग्रह करना चाहूंगा कि जो भी संवैधानिक नियम हैं उसी के तहत यहां कार्यवाही होगी । सभी लोग यदि शांति ढंग से मतदान करेंगे तो मैं समझता हूँ कि बहुत ही अच्छा मैसेज बिहार के लिए जाएगा । इसलिए आप सबसे मेरा आग्रह होगा कि सब लोग संवैधानिक नियमों का पालन करेंगे ।

माननीय सदस्यगण, इस प्रस्तावित संकल्प के संबंध यदि कोई माननीय सदस्य अपना विचार रखना चाहे तो रख सकते हैं अन्यथा मैं इसे सीधे सदन के समक्ष रखूंगा । माननीय सदस्यगण, राजद की ओर से प्रो0 रामानुज यादव जी का नाम आया है ।

(व्यवधान)

ठीक है, माननीय सदस्य भूदेव चौधरी जी अपनी बात रखें ।

श्री भूदेव चौधरी : सम्मानित उपाध्यक्ष महोदय, आज सबसे पहले....

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : एक मिनट, भूदेव जी । माननीय सदस्यगण, आज इस बिजनेस के बाद सरकार के विश्वास प्रस्ताव पर भी विचार-विमर्श होना है तथा अन्य औपचारिक कार्य भी होने हैं । कृपया संक्षेप में अपनी बात रखेंगे ।

टर्न-3/पुलकित/12.02.2024

श्री भूदेव चौधरी : उपाध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मैं अपने दल के प्रबुद्ध नेता, युवाओं के नेता, युवाओं का भविष्य और पूर्व उप मुख्यमंत्री आदरणीय तेजस्वी प्रसाद यादव जी और अन्य सभी वरिष्ठ दल के नेताओं के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ कि इस विषम परिस्थिति में, बदली हुई परिस्थिति में मुझको इस विधान सभा में बोलने का अवसर प्रदान किया है । मुझे ताज्जुब हो रहा है और कोई जवाब नहीं सूझता है । 17 महीने हुए हैं और 17 महीने में जो परिवर्तन देखने को मिला है और बिहार और देश के लिए बहुत ही उपहास और मजाक का यह समय है । उपाध्यक्ष महोदय, मुझको स्मरण है, मैं वर्ष 2000 में ही यहां का विधायक बना था बीच में मैं एम0पी0 बन गया है और फिर विधान सभा का सदस्य बनकर इस सदन में आया हूँ लेकिन जिस तरह के माहौल और जिस तरह का परिवर्तन मुझे इस वर्ष देखने को मिला या मुझको लगता है कि सदन में बैठे हुए जो महान नायक होंगे चाहे वह जननायक कर्पूरी ठाकुर हों, चाहे और कोई अन्य वरिष्ठ नेता हों, अगर उनकी आत्मा निहारती होगी इस सदन पर तो मुस्कुराती नहीं होगी, हंसती नहीं होगी बल्कि विलाप करती होगी कि यह क्या कर दिया ? मैं जानना चाहता हूँ और आदरणीय मुख्यमंत्री जी को मैं बहुत ही करीब से जानता हूं, नजदीक से जानता हूँ । मुझको तो आश्चर्य होता है कि इसी सदन में ....

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : शांति-शांति ।

श्री भूदेव चौधरी : मुख्यमंत्री जी ने क्या-क्या नहीं कहा ? मुझको मालूम है और उपाध्यक्ष महोदय, मैं इसी सदन में बैठा हुआ था कि इस प्रतिपक्ष के नेता जो अभी उस पार में है । जब विजय बाबू यहां बैठे हुए थे और मुख्यमंत्री जी ने जो वक्तव्य दिया था इनको जरा भी संकोच नहीं हुआ, शंकायें नहीं हुई और अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठे हुए जो अध्यक्ष जी थे उनको कहा कि लगता है मुख्यमंत्री जी पागल हो गये हैं । यही शब्द था । क्या-क्या अपशब्द नहीं कहा गया आदरणीय मुख्यमंत्री जी को लेकिन मुख्यमंत्री जी पता नहीं मुझको...

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपका अधिक समय नहीं लेना चाहता हूँ, आप जरा आकलन करिए 17 वर्ष बनाम 17 महीना । 17 महीने में बिहार के युवाओं के भविष्य को उज्ज्वल का अगर किसी ने रास्ता दिखाया तो उसका नाम था तेजस्वी

प्रसाद यादव जी । उन्होंने जो कुछ भी कहा आप जाइये गांव में, घरों में, चौक–चौराहा पर जाइये 4 लाख से अधिक जो नियोजित शिक्षक थे उनके विषय में मुख्यमंत्री जी ने कहा था कि अगर भगवान भी आ जाएगा तो इन शिक्षकों को राज्य कर्मी का दर्जा नहीं मिलेगा । उस समय तत्कालीन वित्त मंत्री सुशील मोदी जी ने कहा था कोई ताकत नहीं है, कोई पैसा नहीं बिहार को कि इन नियोजित शिक्षकों को राज्य कर्मी का दर्जा दिया जाएगा लेकिन मुझको हर्ष है, फख्र है, मैं फख्र के साथ कहना चाहता हूँ जब से तेजस्वी यादव डिप्टी सी0एम0 बने, इनके प्रयास से इन सभी नियोजित शिक्षकों को राज्य कर्मी का दर्जा दिया गया । 17 वर्षों में किसी टोला सेवक को मानदेय बढ़ोत्तरी नहीं हुई, विकास मित्रों में बढ़ोत्तरी नहीं हुई । उपाध्यक्ष महोदय, यह 17 महीनों का करिश्मा है कि हर जगह यह सम्मान मिला है । पता नहीं, मुझको तो आश्चर्य हो रहा है, उपाध्यक्ष महोदय, मुझे तो आश्चर्य हो रहा है ।

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : शांति–शांति ।

श्री भूदेव चौधरी : उपाध्यक्ष महोदय, जब मुख्यमंत्री जी राजद सुप्रीमो से मिले थे और कहा था कि मिट्टी में मिल जायेंगे लेकिन अब भाजपा में नहीं जायेंगे । ये शब्द मुख्यमंत्री जी के थे कि मिट्टी में मिल जायेंगे, भाजपा में नहीं जायेंगे और भाजपा का, बी0जे0पी0 का ....

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : शांति–शांति । सदन में शांति बनाकर रखिये ।

श्री भूदेव चौधरी : उपाध्यक्ष महोदय, बी0जे0पी0 का जब विश्लेषण किया था, आदरणीय मुख्यमंत्री जी के ही वक्तव्य हैं, यह बी0जे0पी0 बड़का झूठा पार्टी है । बड़का जुमला पार्टी है । यह हमने नहीं कहा था, उपाध्यक्ष महोदय, यह आदरणीय नीतीश कुमार जी ने कहा था ।

उपाध्यक्ष : अब समाप्त कीजिए ।

श्री भूदेव चौधरी : जब नीतीश कुमार जी राजद में आये थे, यही कहे थे कि अब हम कहीं नहीं जायेंगे । युवा लोग बहुत खुश हुए थे, यहां के युवा खुश हुए थे, जाति जनगणना हुई उपाध्यक्ष महोदय, यह आदरणीय डिप्टी सी0एम0 के प्रयास से हुआ और जाति जनगणना के बाद जो आरक्षण में बढ़ोत्तरी हुई यह 17 महीनों के इस समय में हुई है । मुझको तो लगता है किसका डर था मुख्यमंत्री जी आपको, आप तो हमेशा दूसरों को कहते थे निडर हों, यह सी0बी0आई0 का डर हो गया आपको या ई0डी0 का डर

हो गया, किसके दवाब में आपने यह अपमान किया है, पूरा बिहार अपमानित हो रहा है । मुझको मालूम है मैंने सुना था कि जब मुख्यमंत्री जी के वक्तव्य आये थे नारी सशक्तिकरण पर तो यहीं की विधायिका, जो बी0जे0पी0 की विधायका थी, वह रोती थी कि मुख्यमंत्री जी के इस वक्तव्य ने पूरे बिहार को शर्मसार कर दिया लेकिन आज मुख्यमंत्री जी का आगमन हुआ उनके चेहरे पर मुस्कुराहट । मुझको ताज्जुब होता है कि इसलिए मैं कह सकता हूँ उपाध्यक्ष महोदय कि जिनको इस तरह से कहा जाए, वैसे मुख्यमंत्री ने इस तरह से पलटी मारी है इसलिए बिहार के युवाओं के चेहरे पर मायूसी छायी हुई है । मैं यही कह सकता हूँ कि जब वे आये थे तो ये राजद के लोग और इनके युवा साथी कहे थे और यही बी0जे0पी0 के लोग कहे थे-

''बहारों फूल बरसाओं, मेरा महबूब आया है।''

लेकिन वही लोग आज बिहार के नौजवान कहते हैं-

''अच्छा सिला दिया तूने मेरे प्यार का
और
यार ने ही लूट लिया घर यार का ।''

इसलिए उपाध्यक्ष महोदय, मैं अधिक आपका समय नहीं लेना चाहता हूँ सिर्फ यही कहना चाहता हूँ कि -

''जिंदगी के रथों पर लगाम बहुत हैं,
अपनों को अपनों पर इल्जाम बहुत हैं ।
सोचता हूँ तो थम जाता हूँ,
वक्त कम और इम्तिहान बहुत है ।।''

इन्हीं शब्दों के साथ आपने मुझको समय दिया इसके लिए बहुत-बहुत आभार अभिव्यक्त करता हूँ । जय हिन्द ।

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री महबूब आलम जी ।

श्री महबूब आलम : माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आपने....

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, एक मिनट सुना जाए । शांति-शांति । माननीय सदस्यगण, 01:00 बजे अपराह्न से लंच ब्रेक होना है अगर सदन की राय हो तो संक्षिप्त रूप में, लंच ब्रेक की अवधि में भी सदन की कार्यवाही जारी रखूं ।

(सदन की सहमति हुई)

ठीक है । माननीय सदस्य श्री महबूब आलम जी ।

टर्न-4/अभिनीत/12.02.2024

श्री महबूब आलम : महोदय, यह एक ऐतिहासिक घड़ी है । महोदय, एक ऐसे वक्त में जब संविधान पर हमले हो रहे हैं, जब लोकतंत्र खतरे में है और लोकतांत्रिक संस्थानों को साम्प्रदायिक बनाने की कोशिश हो रही है । महोदय, ऐसे वक्त में हमारे माननीय मुख्यमंत्री ने हमारा साथ दिया था...

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, पक्ष-विपक्ष के कोई भी सदस्य बोलें तो टीका-टिप्पणी मत कीजिए । आराम से सुनिए, कोई टीका-टिप्पणी मत कीजिए ।

श्री महबूब आलम : महोदय, जय प्रकाश नारायण के शिष्य समाजवादी...

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव : उपाध्यक्ष महोदय, सदन की अपनी परंपरा और मान्यता के अनुरूप सदस्य को अपने दल, निर्धारित स्थान पर ही बैठना...

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्य, समय पर बोलिएगा ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव : एक मिनट महोदय । प्वायंट ऑफ आर्डर है...

उपाध्यक्ष : माननीय नेता, समय पर आप बोलिएगा । अभी माननीय सदस्य को बोला गया है उन्हें बोलने दीजिए ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव : महोदय, प्वायंट ऑफ आर्डर है । मान्यता यह रही है कि जिस दल के जो सदस्य हैं मतदान तक उनको अपनी ही सीट पर बैठना होगा नहीं तो यह अमान्य में माना जाता है, मतदान जो है वह अमान्य माना जाता है । परंपरा के अनुसार आपको करना होगा महोदय...

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : अभी बहस चल रही है, समय पर होगा सबकुछ ।

माननीय महबूब आलम जी । महबूब आलम जी, बोलिए ।

श्री महबूब आलम : महोदय, लोकतंत्र का सम्मान होना चाहिए और इस सदन की गरिमा को बचाना चाहिए । जो आर0जे0डी0 के सदस्य, आर0जे0डी0 के तहत, प्रतिपक्ष के तहत उसका जो स्थान निर्धारित है उसी जगह बैठने की इजाजत उनको देनी चाहिए । महोदय, हमें बड़ी उम्मीद थी कि लोकतंत्र की लड़ाई, जिस तरह से इस देश को आजाद करने के लिए हमारे बुजुर्गों ने कुर्बानी दी, लाखों लोगों ने शहादत का जाम

पिया और ऐसे वक्त में ये लोग, तत्कालीन साम्प्रदायिक लोग, भाजपा के लोग जब अंग्रेजों के तलवे चाट रहे थे महोदय...

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : शांति-शांति ।

श्री महबूब आलम : देश के साथ गद्दारी कर रहे थे...

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : शांति-शांति । बोलिए महबूब साहब ।

श्री महबूब आलम : हमारे साथ कदम से कदम मिलाकर लोकतंत्र की हिफाजत का संकल्प लिया था महोदय, लेकिन अफसोस, हम अफसोस कर सकते हैं महोदय, लेकिन हमारा हौसला बुलंद है । आपसे यह उम्मीद नहीं थी मुख्यमंत्री जी, बिल्कुल नहीं उम्मीद थी आपसे । आपने जो किया गिरगिट भी बेचारा शर्मिंदा हो गया होगा आपके रंग बदलने की रफ्तार से, महोदय, माना कि इस जमाने में रंग बदलते हैं लोग मगर धीरे-धीरे । एक तेरे रंग बदलने की रफ्तार से तो गिरगिट भी परेशान है महोदय । महोदय, आज इस महत्वपूर्ण घड़ी में हमलोगों की जरूर तमन्ना थी कि ये, एक तमन्ना थी कि जिंदगी रंग-बिरंगी हो और दस्तूर देखिए जितने मिले गिरगिट निकले । महोदय, गिरगिट ही मिले । हमारे बहुत ही अजीज माननीय मंत्री हैं विजय चौधरी जी, आपसे यह उम्मीद नहीं थी । ऐसे वक्त में...

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्य, आपका समय हो गया ।

श्री महबूब आलम : जब हमारे बच्चों को स्कूलों में साम्प्रदायिकता का नारा लगाने के लिए मजबूर किया जाता है । एक ऐसे वक्त में जब मुसलमानों को टारगेट करके इस देश में अलग-थलग करने की साजिश हो रही है । एक ऐसे वक्त में जब संविधान को कदमों तले रौंदने की साजिश हो रही है महोदय, ऐसे वक्त में बिल्कुल आपसे यह उम्मीद हमें नहीं थी । आप हमारे लोग हैं, कहां चले गये आप ?...

उपाध्यक्ष : महबूब जी, अब आप समाप्त कीजिए ।

श्री महबूब आलम : लेकिन यकीन रखिए इस लड़ाई को हम आगे बढ़ायेंगे और मंजिलें कदम चुमेंगी । महोदय, लोकतंत्र की हिफाजत भी होगी, संविधान की रक्षा भी होगी, भाईचारा भी जिंदा रहेगा, साम्प्रदायिकता का नाश होगा और फासीवादियों की शिकस्त होगी । जिस तरह से हमेश-हमेशा के लिए हिटलर और मुसोलिनी को दफना दिया गया है आज उनका नाम लेने वाला दुनिया में कोई नहीं है । महोदय, वही हश्र इन लोगों का होगा । महोदय, हमारा हौसला बहुत बुलंद है, मंजिलें कदम चुमेंगी, रास्ता हमारा खुद

बन जायेगा । हौसला कर बुलंद हमलोग तो आसमां भी झुक जायेगा, यह सरकार क्या है ।

उपाध्यक्ष : ठीक है, माननीय सदस्य अब आप बैठिए ।

माननीय सदस्य श्री शकील अहमद खां साहब ।

श्री सत्यदेव राम : महोदय, मैं व्यवस्था पर हूं ।

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्य, इसके बाद । आप बैठिए ।

श्री सत्यदेव राम : मैं व्यवस्था पर हूं ।

उपाध्यक्ष : हम देख रहे हैं कि कौन सी व्यवस्था है । आपका भी समय आयेगा, आप बैठिए ।

(व्यवधान)

श्री सत्यदेव राम : महोदय, आपने माननीय सदस्यों के बैठने के लिए जो जगह दी है । महोदय...

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : ठीक है, हो गया । माननीय सदस्य श्री शकील साहब ।

श्री सत्यदेव राम : और अभी, तबतक जगह चेंज कर दिये यह सदन के लिए बहुत ही शर्मनाक बात है ।

श्री शकील अहमद खां : महोदय, यह सच है कि आज का दिन तारीखी है और एक तारीख दोहरी तलवार के मानिंद होती है, लिखी जाती है, समझी जाती है, पढ़ी जाती है और इतिहास में वो लोग याद किये जाते हैं जो तारीख बनाते हैं और इतिहास में वे लोग भी याद किये जाते हैं जो तारीख की अच्छाइयों को बिगाड़ते हैं । यहां लिखा हुआ है सिद्धांत के बिना राजनीति । मैं जानता हूं कि इसको कौन आदमी अपने टेबुल पर रखता है । सिद्धांत के बिना राजनीति, काम के बिना धन, विवेक के बिना सुख, चरित्र के बिना ज्ञान, नैतिकता के बिना व्यापार, मानवता के बिना विज्ञान, त्याग के बिना पूजा, इसके आगे मैं कुछ नहीं बोलूंगा । जो लोग खासतौर पर, जो लोग इसको अपने टेबुल पर सजाते हैं वही लोग बापू की इन बातों की धज्जियां उड़ा रहे हैं । उसका वार, उसकी तारीख यहां लिखी जा रही है । यह अजीब मंजर है कि यहां वकील, मुवक्किल, जज सब एक ही धारा में बात कहते हैं । यह तारीख लिखी जायेगी और यह भी लिखा जायेगा इन तस्वीरों के माध्यम से । ये हैं पूज्य बापू राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और दूसरे पेपर में हैं पूज्य बापू के हत्यारा नाथु राम गोडसे और दोनों एक साथ मिले...

(व्यवधान)

श्री शकील अहमद खां : दोनों एक साथ मिले यहां । महोदय, यह लड़ाई वैचारिक है । यह विचार का संघर्ष है और इस विचार में, ऐतिहासिक विचार में प्रेम, अमन, आपसी भाईचारे की जीत होगी और नफरत की हार होगी आपको मैं बता रहा हूं । आपको मैं बताना चाहता हूं कि जो स्टेटमेंट्स, जो व्याख्यान यहां आये हैं दोनों तरफ से, भाजपा और जनता दल यू की तरफ से वह व्याख्यान भी तारीख के हिस्से में है मैं उसको दोहराउंगा नहीं । मैं सिर्फ यहां पर बैठे हुए जो हमारे सरकार के साथ मंत्री थे बड़े आदरपूर्वक एक सवाल पूछता हूं कि जब इस बार बजट पर चर्चा होगी तो क्या आप केंद्र सरकार को पानी पी-पी कर इस बार फिर कोसिएगा ।

..क्रमशः..

टर्न-5/हेमन्त/12.02.2024

श्री शकील अहमद खां(क्रमशः) : आपने यहीं पर कुछ दिन पहले कहा था कि केंद्र सरकार हमारे साथ दोहरा व्यवहार करती है । मनरेगा में पैसा नहीं देती है, इंदिरा आवास में पैसा नहीं देती है । यहीं पर हमारे सबसे मोस्ट सीनियर, मैं उनकी बहुत इज्जत करता हूं । आपने कहा कि बिजली सबसे महंगी भारत सरकार बिहार को देती है । अब वह क्या बोलेंगे, उद्‌गार क्या व्यक्त करेंगे ? फाइनेंस मिनिस्टर यहां बैठे हुए हैं, उन्होंने अपने स्टेटमेंट दिये । आप सबके स्टेटमेंट निकाल लीजिए । उन्होंने कहा था कि हमारे साथ जीएसटी के मामले में जो व्यवहार हो रहा है, वह बड़ा ही अन्यायपूर्ण है । हमारे बुजुर्ग नेता मांझी जी यहां तशरीफ फरमाये हैं । जब आपकी जीभ काट लेने की बात हुई । इनको मालूम है कि हम लोगों ने प्रोटेस्ट किया । इनको मालूम है, जानते हैं कि हम लोग पिछड़ा, अतिपिछड़ा के साथ हैं । प्रधानमंत्री जी का स्टेटमेंट....

(व्यवधान)

तकलीफ हो रही है न । प्रधानमंत्री जी का स्टेटमेंट, आरक्षण के विरोध में स्टेटमेंट पार्लियामेंट में आया है । क्या जवाब देंगे आप ? क्या जवाब देंगे आप ?

उपाध्यक्ष : ठीक है शकील साहब ।

श्री शकील अहमद खां : यह विचार की लड़ाई है । इसी देश में एक दलित के ऊपर पेशाब करने वाला भारतीय जनता पार्टी का आदमी मध्य प्रदेश में घूम रहा है । यह अत्याचार इस देश में भारतीय जनता पार्टी के द्वारा हुआ है । यह किससे जगजाहिर नहीं है । इसलिए यह लड़ाई विचार की है । आज हमारे नेता प्यार और अमन के लिए राहुल गांधी देश में निकले हुए हैं । आपने जो आर्थिक स्थिति बनाई है इस देश में, वह आपके सामने है । आपने जो आर्थिक स्थिति कमजोर वर्गों के लिए बनाई है.....

(व्यवधान)

इसलिए मैं आपसे कहना चाहता हूं...

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : शांति, शांति ।

श्री शकील अहमद खां : इसलिए मैं यह प्रश्न आपके माध्यम से पूर्व के रहे मंत्रियों के सामने, मांझी जी के सामने पेश करता हूं कि देश विचारों से चलेगा, बापू जी के बनाये सिद्धांतों पर चलेगा या बेमेल मोहब्बत से चलेगा । नहीं हो सकता है, नामुमकिन है और एक साहब के लिए एक शेर बहुत अच्छा है । कलीम अजीज साहब का एक शेर है । हमारे दो उप मुख्यमंत्री, सम्राट भाई आप यहां बैठे हैं ।

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री शकील साहब, समय हो गया है ।

श्री शकील अहमद खां : सर, बस खत्म हो गया है । मैं उस दिन के इंतजार में हूं कि आपके जो स्टेटमेंट्स हैं । मैं समझता हूं कि आप जो स्टेटमेंट्स देते हैं उस पर कायम रहते हैं । आप अपनी बात पर कायम नहीं रहने वाले लोग हैं और इसीलिए अपनी बातों पर कायम नहीं रहने वालों का यह गठजोड़ है, नहीं चला पाइयेगा । गवर्नेन्स आसान नहीं है, बड़े दिल से चलता है । समाज को चलाना आसान नहीं है । आखिरी शेर एक साहब के लिए बोलकर अपनी बात खत्म करता हूं और यह जनता दल(यू0) के राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए है । यह शेर, और हमारे बिजेन्द्र बाबू बैठे हैं । मैं उनकी इज्जत करता हूं ।

''न दामन पर कोई दाग, न बदन पर कोई छींटे''
तुम कत्ल करो हो कि करामात करो हो ।''

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : शांति, शांति ।

श्री शकील अहमद खां : यह हो गयी आपकी तारीफ । आप जिस खूबसूरत अंदाज में...

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, शांति बनाये रखिये ।

श्री शकील अहमद खां : चरित्र पेश करते हैं । समाज में इतिहास आपको माफ नहीं करेगा ।

उपाध्यक्ष : ठीक है । शकील साहब, समाप्त कीजिए ।

श्री शकील अहमद खां : और मैं आपसे कहना चाहता हूं बेईमानी और गठजोड़ से, मुझे तो ताज्जुब है दो दिनों तक हमारा भोजन खाने वाले लोग कहां चले गये । शर्म नहीं आती ?

उपाध्यक्ष : अब समाप्त कीजिए । माननीय सदस्य श्री सत्येन्द्र प्रसाद यादव ।

श्री शकील अहमद खां : धन्यवाद । जय हिंद ।

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री सत्येन्द्र प्रसाद यादव ।

डॉ0 सत्येंद्र प्रसाद यादव : माननीय उपाध्यक्ष महोदय, माननीय अध्यक्ष के ऊपर जो अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है, मैं उसका विरोध करता हूं ।

आज जिस राजनीतिक हालात में अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा हो रही है । मैं समझता हूं कि जब से इस देश के अंदर मोदी सरकार बनी है तब से इस देश के अंदर सांसदों और विधायकों को खरीदने का लगातार काम हो रहा है । बिहार की जनता ने मोदी सरकार के खिलाफ मेंडेट दिया था, 12 हजार वोट महागठबंधन को एनडीए से अधिक मिला था और आज जिस तरीके से जनतंत्र की हत्या मोदी गैंग के लोगों ने की है, विधायकों को प्रलोभन देकर, पैसा देकर तोड़ा है इतिहास उन्हें कभी माफ नहीं कर सकता है । मैं कहना चाहता हूं कि गद्दारों की जो यह टोली है जिससे इस देश के अंदर लोकतंत्र को खतरा है, संविधान को खतरा है । बिहार की 13 करोड़ आवाम देख रही है कि भारतीय जनता पार्टी और माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जो मनमानी है, वह मनमानी आज देश के अंदर साबित हो चुकी है ।

(व्यवधान)

इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि मनमानी से लोकतंत्र चलने वाला नहीं है । लोकतंत्र की जो परिपाटी है उससे चलेगा । इसलिए मोदी की गैंग और मोदी की जो पलटूराम की गैंग है, वह जनतंत्र की हत्या कर रही है । जिस तरीके से विधायकों की खरीददारी की गयी है वह इस लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा चिन्ता का विषय है । मैं कहना चाहता हूं माननीय उपाध्यक्ष महोदय....

उपाध्यक्ष : समाप्त कीजिए ।

डॉ0 सत्येन्द्र प्रसाद यादव : बिहार का बच्चा-बच्चा उनको कटघरे में खड़ा कर रहा है । ये लोग जो कल तक पलटूराम की बात करते थे । ये लोग आज पलटूराम के साथ कंधे-से-कंधा मिलाकर चल रहे हैं । इनको बिहार की आवाम से कोई....

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्य, समाप्त कीजिए । माननीय सदस्य, समाप्त कीजिए ।

डॉ0 सत्येन्द्र प्रसाद यादव : लूटने की इनकी आदत बन गयी है । ये मोदी और नीतीश गैंग ने बिहार की 13 करोड़ आबादी को लूटने का । इसलिए मैं अविश्वास प्रस्ताव का पूरे तौर पर विरोध करता हूं ।

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, कृपया शांति से सुनिये ।

टर्न-6/धिरेन्द्र/12.02.2024

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, प्रश्न यह है कि

''बिहार विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन नियमावली के नियम-110 के तहत वर्तमान माननीय अध्यक्ष, बिहार विधान सभा को उनके पद से हटाने पर सभा की सहमति हो ।''

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

यह प्रस्ताव ध्वनि मत से स्वीकृत हुआ ।

(व्यवधान)

माननीय सदस्यगण, मैं एक बार फिर से इस प्रस्ताव को रखता हूँ ।

उपाध्यक्ष : प्रश्न यह है कि

''बिहार विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन नियमावली के नियम-110 के तहत वर्तमान माननीय अध्यक्ष, बिहार विधान सभा को उनके पद से हटाने पर सभा की सहमति हो।''

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

वर्तमान माननीय अध्यक्ष, बिहार विधान सभा को उनके पद से हटाये जाने के प्रस्ताव पर सभा की सहमति हुई ।

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष: अब विरोधी दल के माननीय सदस्यों के अनुरोध पर खड़े होकर मत विभाजन की प्रक्रिया होगी ।

(व्यवधान)

कृपया सभी लोग बैठ जाइये ।

(घंटी)

माननीय सदस्यगण, मैं एक बार फिर से इस प्रस्ताव को रखता हूँ ।

उपाध्यक्ष : प्रश्न यह है कि

''बिहार विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन नियमावली के नियम-110 के तहत वर्तमान माननीय अध्यक्ष, बिहार विधान सभा को उनके पद से हटाने पर सभा की सहमति हो।''

यह प्रस्ताव स्वीकृत .....

(व्यवधान)

माननीय सदस्यगण, बिहार विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन नियमावली के नियम-110 के तहत वर्तमान माननीय अध्यक्ष, बिहार विधान सभा को उनके पद से हटाने हेतु प्रस्तुत संकल्प के प्रस्ताव पर विभक्त होकर मतदान का जो फलाफल आया है, वह निम्न प्रकार है:

प्रस्ताव के पक्ष में - 125 मत

प्रस्ताव के विपक्ष में - 112 मत

अतएव यह प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

समस्त सदस्यों के बहुमत से यह संकल्प पारित हुआ । वर्तमान माननीय अध्यक्ष, बिहार विधान सभा को उनके पद से हटाये जाने के प्रस्ताव पर सभा की सहमति हुई ।

उपाध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, अब वर्तमान मंत्रिपरिषद् द्वारा लाये गये विश्वास प्रस्ताव पर विमर्श होगा । माननीय मुख्यमंत्री जी ।

<u>वर्तमान मंत्रिपरिषद् में विश्वास का प्रस्ताव</u>

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ कि

''यह सभा वर्तमान राज्य मंत्रिपरिषद् में विश्वास व्यक्त करती है ।''

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री तेजस्वी प्रसाद यादव अपना पक्ष रखें ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव : उपाध्यक्ष महोदय, हम इस नयी सरकार के विरोध में खड़े हैं और सबसे पहले हम माननीय मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद देना चाहते हैं कि लगातार नौ बार उन्होंने शपथ लेकर इतिहास रचने का काम किया और नौ बार तो शपथ लिया ही है महोदय लेकिन एक ही टर्म में तीन-तीन बार शपथ लिया है ऐसा अद्भूत नजारा हमलोगों ने नहीं देखा होगा । माननीय दोनों डिप्टी सी॰एम॰ सम्राट चौधरी जी डिप्टी सी॰एम॰ बने, बड़ी खुशी है कि ये डिप्टी सी॰एम॰ बने । इनका बयान हमने देखा, भाजपा जो है इनकी माँ है लेकिन हम तो कहना चाहते हैं कि ऑरिजनल माँ आर॰जे॰डी॰ न हुई । आप तो पहले हमारे ही दल में थे । चलिए ठीक है, कोई बात नहीं, आप अस्वीकार कीजिये लेकिन जनता तो इस बात को जानती है । हमें खुशी है कि साथ में दो-दो डिप्टी सी॰एम॰ बनें और विजय सिन्हा जी भी डिप्टी सी॰एम॰ बने, स्पीकर पद पर भी रह लिये, नेता विरोधी दल भी रह लिये और डिप्टी सी॰एम॰ भी रह लिये । इन्होंने भी इतिहास रच दिया, एक टर्म में तीन-तीन पद इन्होंने भी पा लिया । यह आप सोचे थे

कि नहीं विजय बाबू, यह आपके दिमाग में आया था कि आप एक टर्म में स्पीकर भी, डिप्टी सी॰एम॰ भी और नेता विरोधी दल भी आप बन गये तो इसके लिये आप तीनों लोगों को विशेष तौर पर हम बधाई देना चाहते हैं ।

(क्रमशः)

टर्न-7/संगीता/12.12.2024

(क्रमशः)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव : माननीय मुख्यमंत्री जी हमारे लिए आदरणीय थे, हैं और हमेशा रहेंगे । हम इनकी इज्जत हमेशा करते आए हैं और करते रहेंगे और हमें तो कई बार इनके नेतृत्व में काम करने का मौका मिला और हमलोगों ने काम किया मिल करके, इसमें कोई दो राय नहीं, आगे हम सारी बात को भी आप लोगों के समक्ष रखने का काम करेंगे । अब कई बार माननीय मुख्यमंत्री जी जो हैं, इस बात को बोलते रहे हैं कि तुम मेरा बेटा जैसा हो, कई बार बोलते हैं और हम भी अपना मानते हैं अपना गार्जियन मानते हैं । और आपलोग भगवान राम की चर्चा करते हैं, हम, आप सबके मन में तो राम हैं ही...

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : शान्ति, शान्ति, बोलने दीजिए ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव : लेकिन एक बात समझना पड़ेगा । हम तो नीतीश जी को एक दशरथ जो पिता हैं, उनके रूप में वैसा गार्जियन मानते हैं कि कई बार इन्होंने कई बार आपलोगों के सामने भी यही बोले हैं कि अब तो यही करेगा, यही आगे बढ़ेगा, तो चलिए नौजवान लोग ही न आगे बढ़ेगा, आगे काम करेगा लेकिन कई बार मजबूरियां रही होंगी इनकी जैसे राजा दशरथ की मजबूरी थी कि राम को वनवास भेज दिया गया लेकिन उस बात को हम मानते हैं कि हम वनवास नहीं आए हैं बल्कि हमको इन्होंने भेजा है जनता के बीच उनके सुख और दुख का भागीदार बनने के लिए । पहली बार ये अपने से दूर किए, वह भी क्या मजबूरियां रहीं हमको नहीं पता, न आपको पता, किसी को नहीं पता कि क्या मजबूरियां रहीं लेकिन इन्होंने जब पहली बार दूर किया तो एक ही बात निकलकर आया, क्या बात निकलकर आया कि आप जो हैं एक्सप्लेन कर दीजिए, आपके ऊपर मुकदमा है केस है, जब दुबारा इन्होंने अपनाने का काम किया तो इन्होंने कहा कि ये सब बी0जे0पी0 वाला सब फंसाने का काम करता है, ई0डी0 और सी0बी0आई0 लगा देने का काम करता है । देखिए हम तो आपको इज्जत देते हैं और आगे भी देते रहेंगे लेकिन यह बात समझना पड़ेगा और बिहार की जनता

यह जानना चाहती है कि आखिए ऐसा क्या कारण है कि आप कभी इधर रहते हैं कभी उधर रहते हैं । ये तो सब लोग जानना चाहता है, सबलोगों की इच्छा है आखिर क्या ऐसा हो गया कि आपको यह निर्णय लेना पड़ा ? वर्ष 2020 का चुनाव हमलोग जीतकर आए, बेईमानी के बाद मात्र 12 हजार का डिफरेंस था पूरे महागठबंधन और एन0डी0ए0 में । आप क्यों छोड़कर आए ? आपने तो यही बोला था कि हम एन0डी0ए0 इसीलिए छोड़ रहे हैं क्योंकि हमारी पार्टी को तोड़ा जा रहा है, हमारे विधायकों को प्रलोभन दिया जा रहा है और आपने यह कहा था ''मर जायेंगे, मिट जायेंगे'', यह तो आप कहते ही रहते हैं हमेंशा, लगातार ही कहते रहते हैं । उस पर हम नहीं जायेंगे लेकिन आपने तो यह कहा था कि हमलोगों का एक ही लक्ष्य है, न प्रधानमंत्री बनना है, न किसी को मुख्यमंत्री बनना है, देशभर के विपक्षों को गोलबंद करके जो तानाशाह है उसको दुबारा नहीं आने देना है इसीलिए न आप आए थे । और आप जब गर्वनर हाउस गए महोदय, मुख्यमंत्री जी जब आप बाहर आए तो आपने बोला कि आपका मन नहीं लग रहा था । आपने यह बोला कि मन नहीं लग रहा था मन नहीं लगेगा तो हमलोग नाचने-गाने के लिए थोड़े ही हैं, आपका मन लगाने के लिए, हम तो आपका साथ न देने के लिए थे कि जो काम आप बोलते थे असंभव है उसको हमलोगों ने मुमकिन करके दिखाने का काम किया । आपने वर्ष 2020 के चुनाव में क्या कहा था, झूठ मत बोलिएगा, देखिए हम आपलोगों से उम्र में छोटे हैं, अपने बाप के पास से लाएगा, जेल से पैसा लाएगा, नौकरी बांटेगा, असंभव है । क्या बोले थे ? और उस समय चुनाव के दौरान रोजगार पर विशेष तौर पर हमने बोला था, हमने साइंटिफिक अध्ययन किया, रिक्त पदें हैं, इतनी-इतनी हैं, उसको हमलोग भरने का काम करेंगे । हमको दुख इस बात का नहीं है कि हमलोग विपक्ष में आ गए, हमको तो खुशी है कि उन 17 महीनों में जो देश में किसी सरकार ने नहीं किया उसको हमारी महागठबंधन सरकार ने कर दिखाया । आप बताइए आपको याद होगा जब आप बी0जे0पी0 को धोखा देना चाह रहे थे, हम तो नहीं आपके साथ आना चाहते थे और यह बात तो हम आपको कहे भी थे कि हम तो नहीं आना चाहते हैं मुख्यमंत्री जी लेकिन देशभर के सभी नेताओं का दबाव है कि एक बार 2024 के चुनाव में हमलोग एकजुट हो जाएं और एकजुट होकर मोदी जी को हराने का काम करें । तब हमने क्या कहा था मुख्यमंत्री जी याद है, विजय जी आप भी हैं सामने, हमने कहा था कि मुख्यमंत्री जी हम सरकार में नहीं आयेंगे हम बाहर रहकर आपको समर्थन देंगे और आपकी सरकार को कोई खतरा नहीं होगा आप चलाइए सरकार,

बेफिक्र होकर चलाइए क्योंकि हमलोगों का भी लक्ष्य है कि भाजपा को देश से भगाने का काम करें, साम्प्रदायिक शक्तियों की जो विचारधारा है, जो समाज में जहर बोने का काम करती है उसको हमलोग भगाने का काम करें इसीलिए न हमलोग एक साथ आए थे और तो कोई कारण नहीं था । अब बताना हम नहीं चाहते हैं कि दशरथ तो नहीं चाहते थे कि राम वनवास जाएं लेकिन कैकेयी जरूर चाहती थी कि राम जो हैं वनवास चले जाएं। मुख्यमंत्री जी आप हमको बेटा कहे हैं, हम चाहते हैं कि आप लंबी उम्र रहिए और जो सिलसिला आपने चलाया था उसको जरूर आगे चलाइए, उसमें हमारा समर्थन रहेगा, रोजगार बांटिए, नौकरी बांटिए जो गांधी मैदान से आपने ऐलान किया था लेकिन कैकेयी को भी पहचानिए कि कौन-कौन कैकेयी बैठा हुआ है आपके साथ । सम्राट चौधरी जी पगड़ी पहनते हैं, फालतू ही में न पहनते हैं और उतारने का बात करते हैं, ये सब कोई फिल्म का शूटिंग चल रहा है महोदय, आओ बांध लें पगड़ी चलो आओ मैदान में, अब खोलिएगा...

(व्यवधान)

अरे, हम कोई गलत बात नहीं बोल रहे हैं, सुन लो यार । नवीन जी सुनिए न आप, पथ निर्माण मिल जाए बहुत कृपा होगी, आप आगे काम कीजिएगा, बैठिए न ।

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : बैठ जाइए, माननीय सदस्य बैठ जाइए । बोलने दीजिए ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव : तो, उपाध्यक्ष महोदय...

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : बोलने दीजिए, बैठिए आपलोग । शांति से बैठिए, आप जब बोलिएगा, इधर से कोई नहीं बोलेगा । सब शांति बनाए रखिए ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव : उपाध्यक्ष महोदय, हमें विश्वास है कि हमारे एक और चाचा बिजेन्द्र जी बैठे हैं यहां, हमको जरूर लगता है कि इन्होंने जरूर सलाह दी होगी सम्राट चौधरी जी को कि पगड़ी उताड़ लो आप, दिए कि नहीं दिए, आप तो हमको सलाह देते थे, हमको पता है कि आपके मन में भी पीड़ा है, दर्द है लेकिन आप एकदम अपने नेता के साथ जो निर्णय है उसी में लेते हैं लेकिन नेता तो निर्णय लेते हैं, साथ देना चाहिए लेकिन कभी कोई सलाह और एक स्टैंड भी लेना चाहिए कि कोई गलत निर्णय न हो । इससे नेता का ही नुकसान होगा तो इस बात की तो हमको चिंता रहेगी, अभी सम्राट चौधरी जी क्या-क्या बोलते थे उसपर हम नहीं जाना चाहेंगे लेकिन सम्राट चौधरी जी के पिता भी हमारे दल में रहे हैं और उनका शब्द मुख्यमंत्री जी के लिए क्या-क्या रहा

है, वह हम यहां नहीं बताना चाहते हैं आपके भी दिल में है, आपके भी कान में है, आपलोगों के भी होश में है और पूरा बिहार, बच्चा-बच्चा से पूछ लीजिए...

(व्यवधान)

सुन लीजिए न, अरे सुन तो लो भाई, बिहार में किसी भी बच्चा-बच्चा से पूछ लीजिए कि क्या होने जाएगा, नीतीश जी पर भरोसा है कि नहीं है, वह क्या-क्या शब्द का प्रयोग करेंगे जो हम लेना नहीं चाहते हैं और मोदी जी का गारंटी तो बहुत मजबूत वाला गारंटी है । ए मोदी जी के गारंटी वालों क्या मोदी जी गारंटी लेंगे फिर से पलटेंगे कि नहीं पलटेंगे जरा बता के दिखा दो । बताइए, मोदी जी के गारंटी वालों बताओ, बताइए पलटेंगे कि नहीं पलटेंगे, मोदी जी का गारंटी । खैर, हमको इसकी चिंता नहीं है । सम्राट चौधरी जी, विजय सिन्हा जी जब चेयर पर थे, व्याकुल मत होइये, खूब जोड़ी है आप लोगों का, कमाल का है, लगे रहिये लेकिन आप लोग तो क्या-क्या बोलते थे अब उस पर तो हमको बताने की जरूरत नहीं है । सब लोग जानते हैं कि एक ही बात को क्या दोबारा-तीबारा रटा जाय, कहा जाय, इसका कोई मतलब नहीं है लेकिन एक बात समझ लीजिये कि नीतीश कुमार जी आदरणीय हैं, कम-से-कम एक बार बता तो देते कि हम नहीं रहना चाहते हैं, जा रहे हैं । इस बार तो आपने कुछ कहा भी नहीं । हम उप मुख्यमंत्री हैं, आप मुख्यमंत्री हैं, सबसे बड़ा दल हमारा है, कम-से-कम एक बार बुला कर बोल देना चाहिए था, आपको हम कुछ कहते, आप बताइये, हम आपको कुछ कहे हैं । कितना अच्छा हमलोग बातचीत करते थे, हर चीज करते थे लेकिन चलिये ठीक है, अच्छे पल को तो हमलोग जिंदगी भर याद करेंगे, संजोकर रखेंगे, उसमें हमारे मन में कोई खोट नहीं है और हमलोग एकदम मजबूती के साथ खुट्टा गाड़ कर खड़े हैं कि आपने जो संकल्प, मुख्यमंत्री जी, आज तो आपसे हम कह ही सकते हैं न, आप तो बुलाये नहीं, खुद ही चले गये गवर्नर हाउस लेकिन आज हम इतना तो आपसे कह सकते हैं न, इतना बात तो कह सकते थे कि आप बुला लेते, हमलोग बात कर लेते, नहीं है, ठीक है तो उसकी भी व्यवस्था कर देते । अगर हमारी सरकार से, हमारे मंत्रियों से दिक्कत है तो फिर से बाहर से समर्थन दे देते और कोई माई का लाल हिला देता उस सरकार को, यह मन में शंका मत पालियेगा । जब हमने आपसे कमीटमेंट कर दिया था तो मन में कभी भी शंका, आपके मन में भी हम बोलते थे कि कोई कन्फ्यूजन होगा तो बुलाकर हमसे बात कर लीजिये, फोन कर लीजिये । क्यों ? क्योंकि हम आपको अपना परिवार समझते हैं । हमलोग समाजवादी परिवार के हैं मुख्यमंत्री जी और इसको ध्यान में रखना चाहिए । बिजेन्द्र जी, विजय

जी सब लोगों को बात रखना चाहिए और हम कहना चाहते हैं जो आप झंडा लेकर चले थे कि मोदी जी को देश में रोकना है, आपका भतीजा आज झंडा उठाकर मोदी जी को बिहार में रोकने का काम करेगा । ये कोई पहली बार नहीं है मुख्यमंत्री जी जो आपलोगों के साथ हम लड़ रहे हैं अकेले । हमारे साथ कांग्रेस है, माले है । महागठबंधन हमलोगों ने बनाया था वर्ष 2020 में और 2020 में तो क्या रिजल्ट हुआ था उसी की न पीड़ा आज मुख्यमंत्री जी को है कि तीसरी नंबर का पार्टी हो गये...

(क्रमशः)

टर्न-8/सुरज/12.02.2024

(क्रमशः)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव : और चर्चा तो बाजार में यह भी चल रहा है । आप मुख्यमंत्री जी, एक ओर पूरी बिहार की जनता और मीडिया के साथी हैं, कब्जा छुड़वाने चले थे अब तो खुद ही कब्जा इन पर हो गया । अब देख लीजिये लेकिन...

(व्यवधान)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव : जितने मीडिया के लोग हैं अरे कब्जा न हो गया है आप लोगों पर कुछ लिखने देगा, कुछ बोलने देगा ? अब तो कब्जा आप ही पर हो गया है । जो भी अमित शाह जी कहते रहे हैं हमारा तो दरवाजा बंद है । खैर, उनका क्या उनकी बात में दम है ? हमलोग जो कहते हैं वह करते हैं और हमलोगों ने 17 महीने काम करके दिखाने का काम किया है । नौकरियां तो निकल ही रही है और कई बार मुख्यमंत्री जी, जब हम आपसे मिलने गये थे जब सरकार बनाना था हमलोगों को तो मेरा सबसे पहला कंडिशन बिजेन्द्र जी आपको याद होगा । हम बोले थे कि हम अगर आपके साथ आयेंगे भाजपा को रोकने के लिये तो आयेंगे साथ में लेकिन आप हमको विश्वास दिलाइये कि हमने जनता से जो कमिटमेंट करने का काम किया कि 10 लाख सरकारी नौकरी देंगे आप वह करवाइयेगा अपने नेतृत्व में । मुख्यमंत्री जी बोलें कि हो जायेगा, हो जायेगा और दूसरे दिन अपने अधिकारी को भेज देते हैं जब हमलोग ओथ ले लिये, अपने एस0 सिद्धार्थ जी होंगे । ठीक कहे बिजेन्द्र जी, विजय जी ठीक कहे न । वित्त मंत्री थे न आप, वित्त सेक्रेटरी थे उस समय सिद्धार्थ जी तो सिद्धार्थ जी को भेजा गया। बहुत काबिल अधिकारी हैं, बहुत सम्मान है हमारा । तो सिद्धार्थ जी आकर के हमारे पास बोलते हैं । हम बोले मुख्यमंत्री जी को क्या हुआ नौकरी का, क्या हुआ दीपक जी को बोले, मुख्यमंत्री जी को बोले, विजय जी को बोले । सब बोल रहा है कि

आपने वादा किया था चुनाव में । हालांकि हम तो सी0एम0 बने नहीं कि हम दस्तखत कर देते लेकिन उप मुख्यमंत्री बने फिर भी हमारे पर जिम्मेदारी थी...

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : शांति, शांति । बोलने दीजिये ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव : कई बार कहा । तो उसके बाद फोन आता है और कहा जाता है कि सिद्धार्थ जी जा रहे हैं फाइनेंस सेक्रेटरी हैं और मुख्यमंत्री जी के भी प्रधान सचिव हैं वह आपको एक्सप्लेन कर देंगे । सिद्धार्थ जी आते हैं, फाइल दिखाते हैं कैसे होगा सर कुछ नहीं है पैसा, कैसे होगा । हमने बोल दिया किसी भी हालत में यह काम हमलोगों को करना है । आप असंभव बोलते थे, आप मेरे पिताजी को कि बाप का पैसा लाकर कर दिलायेगा । लेकिन इस 17 महीने में कहां से एक विभाग में 70 दिनों के अंदर दो लाख से भी ज्यादा सरकारी नौकरी कैसे मिली? इच्छाशक्ति होनी चाहिये, विल पॉवर होना चाहिये । मुख्यमंत्री जी जो थके हुये मुख्यमंत्री थे उनको हमने दौड़ाने का काम किया, तो हमलोग सही बात बोलते थे । बोलिये कि जातीय आधारित गणना के बारे में यही न हाउस है, हम यहीं न बैठते थे, यहीं से न हमने प्रस्ताव किया था । हालांकि आप पहले से मांग करते रहे हैं, हमारे पिता भी मांग करते रहे हैं खाली भाजपा वालों को छोड़कर । सही बात है कि नहीं और आप बताइये न कि क्या-क्या भाजपा वाले बोलते थे उस समय । महाधिवक्ता, तुषार मेहता को खड़ा कर दिया था सुप्रीम कोर्ट में उसको रोकने के लिये जो जातीय आधारित गणना करा रहे थे । आप तो जानते ही हैं न सब बात जानते हैं फिर भी वहां चले गये । अब बताइये कि कर्पूरी जी को भारत रत्न मिला तो हमको बहुत खुशी है कि कर्पूरी जी को मिला । कर्पूरी जी के साथ, हमारे पिता जी के साथ आप काम कर चुके हैं । आप उस वक्त थे भले ही मेरा जन्म न हुआ हो या हम बहुत छोटे होंगे । लेकिन आप तो जवान थे आपको तो यह पता था कि कर्पूरी जी जब आरक्षण बढ़ाये थे, उनकी सरकार थी, जनसंघ जो था वह सरकार में था । जब कर्पूरी जी आरक्षण बढ़ा दिये तो यही जनसंघ वाला ही न कर्पूरी जी को मुख्यमंत्री पद से हटाया । कौन हटाया और आप कहां बैठ गये । आप कर्पूरी जी का नाम लेते हैं और आप कहां बैठ गये मुख्यमंत्री जी और वही जनसंघ वाले, भाजपा वाले कहते थे क्या बोलते थे आरक्षण कहां से आई, कहां से आई । वह हम नहीं बोलेंगे, नहीं बोलेंगे, ये बोलते आप हैं और आप कहां चले गये मुख्यमंत्री जी ? बताइये, अगर हम गलत बोल रहे हैं तो बताइये बिजेन्द्र जी, विजय जी आपलोग सबलोग उस समय रहे हैं, सबलोगों ने नेतृत्व में काम किया है । हालांकि पता नहीं

उस समय विजय जी शायद कांग्रेस में थे लेकिन मन से ये समाजवादी भी रहे हैं । तो इतना सबलोगों का सहयोग रहा है, कर्पूरी जी को भारत रत्न मिला तो ये लोग तो भारत रत्न को डील बना लिया, डील करने के लिये कि हमको वोट मिलेगा और डील कर लो भारत रत्न दे देंगे । सम्मान नहीं करते हैं आपलोग डीलिंग करते हैं, डीलिंग । भाजपा के लोग सम्मान नहीं करते हैं डीलिंग करते हैं । केवल वोट बैंक की राजनीति के लिये करते हैं और हमलोगों ने कितना आरक्षण बढ़ा दिया 75 परसेंट । लालू जी की जब सरकार थी तो उस समय शायद 12 या 14 परसेंट था । राबड़ी जी की सरकार में 18 परसेंट हुआ । उसके बाद आप आये तो और बढ़ गया । हमलोग आये तो 75 परसेंट हमलोग ले ही गये, 24 परसेंट के आसपास अतिपिछड़ों को आरक्षण मिला । हमलोग तो ये सब काम करते रहे हैं और हमलोग विचारधारा को मानने वाले लोग हैं, हमलोग सिद्धांतवादी लोग हैं । एक जगह खड़े रहते हैं तो मजबूती के साथ खड़े रहते हैं । इधर-उधर हमलोग नहीं करते हैं तो इसलिये उपाध्यक्ष महोदय हमको किसी बात का डर नहीं, फिक्र नहीं । हमारे पिता लालू जी हैं और उनका खून मेरे अंदर है । हम लालू जी के बेटे हैं इन सब चीजों से घबराते और डरते नहीं हैं संघर्ष करते हैं और लड़ते हैं । हमलोग लड़ाई लड़ने का काम करेंगे और आप मुख्यमंत्री जी कह रहे थे कि उधर चला गया । जब इस्तीफा देकर के आये थे गर्वनर हाउस से तो ये बात बोले कि मन नहीं लग रहा है । दूसरी बात यह बोले कि क्रेडिट ले रहा था । मेरा डिपार्टमेंट, आर0जे0डी0 का, हमारे मंत्री । हमलोगों ने नौकरी दिया 17 महीने में पहले तो नहीं मिलता था तो क्रेडिट क्यों न लें ? अब आपलोग सरकार बना लिये...

(व्यवधान)

एक मिनट सुनिये न भैया, सुन तो लो, सुनना ही नहीं चाहते । आप ही के हित में बोलना चाह रहे हैं तो आप बोले क्रेडिट । सम्राट जी, विजय सिन्हा जी हम आपलोगों को पहले सचेत कर दे रहे हैं, सचेत इस बात का कर दे रहे हैं कि महागठबंधन की सरकार, हमलोग नहीं रहते तो फिर से वह मुख्यमंत्री नहीं बनते । लेकिन एक बात समझिये अगर आपलोग अभी सरकार में हैं जो काम होगा उसका आप क्रेडिट नहीं लिजियेगा । मुख्यमंत्री जी जब हमलोग 17 महीने थे सरकार में तो उसका क्रेडिट क्यों न लें ? आपलोग बताइये क्यों न लें ? अब आपलोग सरकार में आये भाजपा के लोग और नीतीश जी बोलेंगे कि क्रेडिट नहीं लेना, क्रेडिट केवल मेरा है तो आपलोग क्या कहियेगा...

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : शांति, शांति ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव : उपाध्यक्ष महोदय, जब पिछला सत्र चल रहा था तो मांझी जी अपनी बात को रख रहे थे तो मुख्यमंत्री जी गुस्सा में आये, गुस्सा में आये तो आये लेकिन उसके बाद मांझी जी का रिएक्शन बाहर हुआ था मुख्यमंत्री जी और बाहर जाकर बोले थे कि आपको कोई गलत-सलत दवा खिला देता है और उनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है, उनको ईलाज कराना चाहिये । बोले थे कि नहीं बोले थे मांझी जी ? अब हमको मांझी जी पर पूरा भरोसा है कि अब ये अच्छा दवाई करायेंगे ।

(क्रमशः)

टर्न-9/राहुल/12.02.2024

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव (क्रमशः) : मांझी जी ख्याल जरूर करियेगा आप बड़े हैं, आपका सब जवाब मेरे यहां है । कोई नहीं, जरूर दीजियेगा हमको कोई दिक्कत नहीं है तो आप दवाई अच्छे से खिलाइये, पिलाइये और थोड़ा बगल में ही कमरा ले लेते । जाकर ले लीजिये सच में अगर चिंता है तो आप कमरा ले लीजिये वरना आज अगर आप बोलियेगा तो अपना वचन वापस ले लीजियेगा जो मुख्यमंत्री जी के बारे में बाहर बोले थे...

श्री जीतन राम मांझी : उपाध्यक्ष महोदय,...

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव : नहीं-नहीं, आप बोलियेगा न जब आपकी बारी आयेगी । बैठिये ।

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्य आपको मौका मिलेगा । बैठ जाइये । आपको अपनी बात रखने का मौका मिलेगा ।

(व्यवधान)

आप बैठ जाइये । आपको मौका मिलेगा तब आप बोलियेगा । बैठिये ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव : कोई नई बात बोलिये न । वे हट गये तो हमने उनको बोल दिया, वे साथ आ गये तो हमने तारीफ कर दी, वे उधर चले गये तो हमने बुराई कर दी । यह कौन नहीं करता सब तो कर ही रहे हैं । कौन नहीं कर रहे हैं ? इसमें नई बात क्या बोल दिये । हम तो चिंता की बात कर रहे हैं कि आपको अगर सही में चिंता है तो बगल में कमरा लेकर के ठीक से दवाई दीजिये और नहीं है तो अपने शब्द वापस लीजिये । हम तो यही कह रहे हैं इसमें कोई बुरी लगने वाली बात नहीं है । हम तो छोटे हैं, आपका हृदय बड़ा है, इतने बुजुर्ग हैं, हमारे अभिभावक हैं बच्चा अगर कोई गलती करता है तो क्षमा कर देना चाहिए बड़ा दिल रखिये तो इसमें नहीं कहना है । हमको तो बच्चा न बोल रहे थे...

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्य अब कंक्लूड कीजिये ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव : उपाध्यक्ष महोदय, बोलने दीजिये आज ही तो मौका मिला है । इसके बाद तो हम जनता के बीच हैं जनता हमारी मालिक है । सदन कैसे चलेगा वह तो हमको पता है शायद भाजपा के न स्पीकर हैं आने वाले जो भी होंगे तो सदन कैसे चलेगा वह तो हमको पता है । हम तो जनता के बीच रहेंगे, काम करेंगे उसकी हमको कोई चिंता नहीं है तो इसलिए हम सब लोग इस बात का ध्यान रखें कि हम सब लोग यहां हैं तो बिहार के हित के लिए हैं, बिहार की तरक्की के लिए हैं और जब तक किसी सरकार में स्थिरता नहीं रहेगी, जब तक सरकार में कोई स्टेब्लिटी नहीं रहेगी तब तक विकास संभव नहीं है और हमको तो जनता दल यूनाइटेड के विधायकों के प्रति इस बात के लिए पीड़ा होती है कि मुख्यमंत्री जी तो इधर से उधर भाग, गुणा कर लेते हैं । जो करना है कर लेते हैं लेकिन जनता के बीच तो विधायक लोग ही न जाकर के जवाब देंगे, आप ही लोग न दीजियेगा। अब आपसे कोई पूछेगा – का हो, बताओ नीतीश जी तीन बार शपथ लिये तो क्या बोलियेगा ? तु गरियात रहल पहिले अब तु बड़ाई करत हो, तो क्या बोलबो ? हमने नौकरी दी यह कहेंगे । क्या बात कर रहे हो ?

(व्यवधान)

दूसरा, एक विधायक अगर मेरे को झुठला दे, यह हम सच बात बोल रहे हैं भाजपा के लोगों का तो जब शपथग्रहण हुआ उससे एक दिन पहले ही सारी ट्रांसफर, पोस्टिंग हो गयी अब तो मुख्यमंत्री जी यही बोलेंगे अरे अभी तो हुआ है आप लोग काहे नाम दे रहे हैं । खैर वह बात अलग है तो अफरशाही...

(व्यवधान)

अरे हम तो क्या हैं । अब बोलेंगे वे नहीं किये, नहीं किये, कर दिये-कर दिये तो भी खुश नहीं भी खुश । आप लोग अपनी चिंता कीजिये । एक बात समझिये । अफरशाही इतनी हावी है यह हम नहीं आप ही लोग बोलते हैं...

(व्यवधान)

सब फुटेज है, कौन-कौन बोले हैं सबका फुटेज है, सब दिखा देंगे । सम्राट चौधरी जी शपथ ग्रहण से पहले दिल्ली में इंटरव्यू देकर आये थे जरा फिर से देख लीजियेगा हमको बोलने की क्या जरूरत है । सब तो अपने आप लोग बोलते हैं, करते हैं तो मुख्यमंत्री जी हम इतना कह रहे हैं कि कुछ भी ये लोग किये भाजपा चूंकि डरी हुई थी महागठबंधन से । आज मजबूरन देख लीजिये कुछ भी ये लोग इवेंट मैनेजमेंट

करते रहे हों, कुछ भी धर्म के नाम पर राजनीति करते रहे हों लेकिन हिन्दुस्तान में अगर भाजपा को किसी से डर था तो बिहार से था । आपसे डर था, हम साथ थे उसका डर था । हम दिल से बोल रहे हैं और...

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : शांति-शांति ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव : मुख्यमंत्री जी आपको चिंता करने की जरूरत नहीं है । हम जब हेल्थ मिनिस्टर थे तो दो-तीन कैबिनेट से पब्लिक हेल्थ कैडर की फाईल अटकी पड़ी थी जिसमें स्वास्थ्य विभाग के कैडर का हमने बोल दिया कि 1 लाख 30 हजार लोगों की वैकेंसी की फाईल है वह करवा दीजिये । कितनी बार हम फोन किये, मेरे पास मैसेज हैं, विजय जी को मैसेज किये सब रेकॉर्ड में है, प्रत्यय अमृत आपके होनहार अधिकारी हैं उनसे पूछिये, दीपक जी से पूछिये । हम आपको कई बार बोले, बिजेन्द्र यादव जी को बोले, विजय जी को बोले कि कम से कम ये वाला पब्लिक हेल्थ कैडर का जो हम कर दिये हैं और यह कैबिनेट से नहीं हो रहा है कम से कम इसको तो कीजिये । लोगों की बहाली होगी, रिक्त पद हैं, भर जायेंगे, काम किया जायेगा तो लोगों को अच्छा मैसेज जायेगा यही तो एजेंडा था । देखिये न आप लोग 12 हजार वोटों के अंतर से छल-कपट करके जीतकर 2020 में आये तो 5 साल का न कार्यकाल था । पांच साल में भी तो साढ़े तीन साल चल रहे हैं उसमें से हम लोग 17 महीने रह लिये...

(व्यवधान)

अच्छा-अच्छा, भईया चोर दरवाजे से अगर हम घुसे तो चोर का दरवाजा किसने खोला ?

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्य, कृपया अब समाप्त करें । 4.00 बचे तक ही समय है ।

(व्यवधान)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव : आप लोग छोड़िये न । आप लोगों को तकलीफ होगी । जब पीड़ा मिलेगी वहां से तो तेजस्वी खड़ा होगा । समझे । आज हमारे प्रहलाद जी सबसे बुजुर्ग.. .

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : शांति-शांति ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव : देर नहीं, बिहार की जनता सुनना चाहती है, जानना चाहती है कि 9 बार शपथ आप क्यों लिये ? एक साल में तीन बार शपथ क्यों लिये ? लेकिन हम तो

खाली यही न कह रहे हैं कि जो प्रहलाद जी हैं । हम आपका धन्यवाद करते हैं कि इतने दिन तक आपने पार्टी का झंडा बुलंद करके रखा और आप स्वस्थ रहिये । माननीय मुख्यमंत्री जी और सरकार से यही आग्रह होगा कि जो आपकी बात हुई है उस पर वे खरे उतरें । कोई आये न आये जब समय आयेगा तो तेजस्वी आयेगा ।

उपाध्यक्ष : अब समाप्त कीजिये ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव : याद कीजियेगा । मेरा छोटा भाई चेतन जब थक-थकाकर के कहीं आप लोगों ने कुछ नहीं किया तो हमने इसको टिकट देकर के जिताने का काम किया और इनके पिता के गुण पर नहीं, इनके गुण पर । नौजवान लोग हैं, लंबा चलना है, नई टीम बनानी है । नौजवानों को हमने टिकट दी, नौजवान आयें राजनीति में, सकारात्मक राजनीति करें, बिहार को आगे लेकर के जायं । थके हुए लोग नहीं चाहिये थे हमको लेकिन हमको पता है क्या-क्या मजबूरी है । यह कोई नई बात नहीं है, बहुत दिनों से पीड़ित हैं और इस पीड़ा में ये कहीं भी रहे हम इसके साथ हैं । नीलम जी, आप महिला हैं आपने जो निर्णय लिया उसका हम स्वागत करते हैं...

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : शांति-शांति ।

(व्यवधान)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव : बस 2 मिनट में हम कंक्लूड करेंगे । नीलम जी आप महिला हैं हम आपके निर्णय का स्वागत करते हैं । बात बने न बने बाद में हमको जरूर याद कीजियेगा । एक बात और मुख्यमंत्री जी हमने फाईल कर दी थी, आगे भी बढ़ा दी थी विजय बाबू देख लेंगे, देख लेंगे । देखते ही रह गये अभी तक कैबिनेट में फाईल करवाये नहीं । आशा दीदीयों के मानदेय वाली करवा दीजियेगा, आशा, ममता का भी । हम लोगों की सरकार में हम सब लोगों की राय बनी थी जिसमें आप लोग सब मीटिंग में थे, सब लेफ्ट की पार्टी, सब नेता को आप बुलाये थे इसलिए

क्रमशः

टर्न-10/मुकुल/12.02.2024

क्रमशः

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव : आपका भी निर्णय था, हम नहीं मना कर रहे हैं । आपने काम किया है उस पर हम ऊंगली नहीं उठा रहे हैं, आपने काम किया, मानदेय बढ़ाया । हमलोग भी साथ रहे थे और हमने भी बोला था यह कीजिए, वह कीजिए । हमारा जितना मुंह था

उतना हम कहते थे इज्जत और सम्मान के साथ । अपना मुंह से ज्यादा हम नहीं कहते थे। एक चीज और...

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : शांति बनाये रखिए ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव : उपाध्यक्ष महोदय, अब हम अपनी बातों को कन्क्लूड करेंगे । अब आपलोगों की सरकार बनी है, हम यही कहना चाहते हैं कि आपकी सरकार जो है, हमारी मांग है कि ओल्ड पेंशन नीति को आपलोग जरूर लागू करवाइयेगा । सम्राट जी, इधर-उधर सिद्धार्थ जी को न भेजा जाय, सिद्धार्थ जी का मत सुनियेगा । ओल्ड पेंशन नीति आप करवाइये, उसका क्रेडिट हम आपको देंगे । अब तो हम विजेंद्र जी को जब भी देखते हैं तो हमको केन्द्र की योजना में कितनी कटौती कर दिया बिहार के लिए वही याद आता है, केन्द्र सरकार ने यह किया, वह किया, जमकर बोलो तो ये सब ठीक है । लेकिन अब हम इसपर क्या जायें और मुख्यमंत्री जी तो आगबबूला हो जाते थे कैबिनेट में, कोई भी प्रस्ताव अगर केन्द्र का जितना भी शेयर था, अगर केन्द्र का नाम आता था तो कहते थे कि फाइल हटाओ, कौन लिख दिया, हटाओ, केन्द्र कोई मदद नहीं करता है तो अब जरूर मुख्यमंत्री जी जो है केन्द्र जो पैसा दे, हमको पता है कि कहां दे रहा है बिहार को । लेकिन वह कुछ भी देता है तो वह मोदी जी के पैकेट का नहीं है बिहार के लोगों का है । वह जरूर लीजिएगा, इसमें कोई नहीं । जिसको भी स्वास्थ्य मंत्री बनाइयेगा, प्रत्यय अमृत जी से पूछ लीजिएगा कि एक कार्ड बनता है न, जिसका मोदी जी प्रचार करते हैं । बिहार का भी वैसी ही एक योजना हमलोग लाए हैं कि जो मजदूर बाहर रहेंगे उनका 5 लाख तक का तुरंत, पहले रिम्बर्सेमेंट होता था कि पहले इलाज करवा लो तो पैसा अपना पहले दो फिर बाद में पैसा भंजा लो । लेकिन इस योजना में पहले ही पैसा इमिडियेटली मिल जायेगा । ये सब काम करवा दीजिए, बाकी आपलोगों की डबल इंजन की सरकार हो गई है तो हमको पूरा विश्वास है कि आप प्रधानमंत्री जी से मिले होंगे तो आपने विशेष पैकेज की मांग की होगी, लेकिन विशेष पैकेज नाम देकर के अंदर गुब्बारा नहीं होना चाहिए और कम से कम विशेष राज्य का तो दर्जा दे दे । हमलोग तो निकलने वाले थे न कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिलेगा । चलिए, आप नहीं कीजिएगा, अब तो आप पर सब लोग कब्जा कर लिया है, उसपर हमलोग ही आगे काम करेंगे ।

उपाध्यक्ष : अब आप अपनी बातों को समाप्त कीजिए ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव : इसलिए उपाध्यक्ष महोदय हम सभी अपने महागठबंधन के साथियों को तहेदिल से धन्यवाद देते हैं कि इस लड़ाई में आपलोगों ने हमलोगों का साथ देने का काम किया है और आप सब लोगों को हमारी तरफ से बहुत-बहुत शुभकामनाएं हैं । माननीय मुख्यमंत्री जी स्वस्थ रहिये, कभी कोई बात होगी तो हम हाजिर हैं उसमें कोई चिंता की बात नहीं है, लेकिन आप ये सब काम जरूर कीजिए । बहुत-बहुत धन्यवाद।

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, शांति-शांति ।

माननीय उप मुख्यमंत्री श्री विजय कुमार सिन्हा जी ।

श्री विजय कुमार सिन्हा, उप मुख्यमंत्री : उपाध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी आज बिहार विधान सभा के इस सदन में बदले हुए चेहरे और बदली हुई भाषा जो सदन में बयान कर रहे थे उनका यही हाल रहा कि अपनी बात रख देना और किसी को सुनना नहीं और सदन छोड़कर चल देना और इन्होंने कहा कि एक पंचवर्षीय में 3 पद मिला, तीन बार तो मैं बता दूं कि जो भी मिला पार्टी के हमारे नेतृत्व गठबंधन के नेतृत्व ने जो भी जिम्मेवारी दी हमने ईमानदारी से निर्वहन करने का प्रयास किया, लोगों के विश्वास पर खड़ा उतरने का प्रयास किया । उपाध्यक्ष महोदय, मैं बता दूं कि राजनीतिरूपी रंगमंच पर विधायिका को किस तरह से अपमानित करके बंधुआ मजदूर बनाने का माहौल खड़ा करके आज बिहार के अंदर जो संदेश दिया कि हर दल के लोग अपने-अपने विधायकों को लोकतंत्र के पवित्र मंदिर में अपने विचार रखने के लिए कहीं-न-कहीं आग्रह किया, आज उसका असर भी दिखाई पड़ा कि आप एक परिवार के हर पद पर आपकी हिस्सेदारी, आपकी दावेदारी, राष्ट्रीय अध्यक्ष भी आप रहें, मुख्यमंत्री भी आप रहें, उप मुख्यमंत्री भी आप रहें, स्वास्थ्य विभाग से लेकर बड़े विभाग पर आपकी दावेदारी और हद तो तब हो गई कि पांच विभाग अपने जिम्मे रख लिये, क्या कोई विधायक इस लायक नहीं था जिसको विभाग दिया जाता, अपने दल का । यहां तक की गठबंधन की हिस्सेदारी भी मार ली गई ।

श्री शकील अहमद खां : उपाध्यक्ष महोदय, एक सेकण्ड ।

उपाध्यक्ष : आपको समय दिया जायेगा ।

श्री विजय कुमार सिन्हा, उप मुख्यमंत्री : महोदय, ये बंधुआ मजदूर की मानसिकता वही अपनाता है जो परिवारवादी, वंशवादी लोग होते हैं । जो भ्रष्टाचार से अकूत संपत्ति कमाते हैं, जो व्यक्ति अपने को समाजवादी परिवार के कहते हैं । अरे, समाजवाद का यह चरित्र नहीं रहा, मेरे बगल के भी श्रद्धेय कपित देव बाबू बड़हिया से आते थे, श्रद्धेय कर्पूरी

ठाकुर जी को भी हमने देखा था बड़हिया में जब गोलीकांड हुआ था, पिता जी शिक्षक थे साथ में देखने गये थे । क्या सादगी थी, क्या सरलता था, क्या सहजता था और क्या ईमानदारी थी, ये समाजवाद का चरित्र था । समाजवाद का चरित्र यह नहीं था कि अरबों का मालिक बनकर अपना बर्थडे चार्टेड विमान पर मनायें, यह समाजवाद का चरित्र कहां से आ गया । महोदय, कथनी-करनी में जिसकी समरूपता नहीं रहे, सत्ता के लिए समझौता करने वाले लोग, मैं तो पहले भी सत्ता में मंत्री के रूप में एन0डी0ए0 को जनादेश मिला था, हमारे मुख्यमंत्री यही थे, जनता के जनादेश का इन्होंने सम्मान करते हुए मुख्यमंत्री के पद को ग्रहण करते हुए विकास की गति को बढ़ाया था, विकास की गति बढ़ रही थी, आसन पर हमको बैठने का सौभाग्य भी दिया था और मैं बता दूं कि मैं इस आसन पर बैठकर के सत्ताधारी दल के लोगों के भी आक्रोश को झेलकर नेता प्रतिपक्ष को लोकतंत्र की मर्यादा की रक्षा करते हुए बोलने का मौका देता था, क्योंकि यह आसन कहीं-न-कहीं सदन का संरक्षक है, लेकिन जब नेता प्रतिपक्ष हमें बनने का मौका मिला तो 55 मिनट के वक्तव्य में इसी आसन पर बैठे व्यक्ति 113 बार टोका-टोकी करके डिमोर्लाइज और डिलेल करने की मानसिकता प्रदर्शित किये, ये लोकतंत्र के संरक्षक कतई नहीं हो सकते । महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी आपसे इन्होंने इतना बखान किया । अरे, मुख्यमंत्री जी आप पर दया किये, जंगलराज लाने वाले को जनताराज कहकर के सुधरने का मौका दिये लेकिन नेचर और सिग्नेचर नहीं बदलता । जिसकी लूट की मानसिकता हो, जो परिवारवाद/वंशवाद को पोषित करता हो, विधायकों को अपमान करता हो, बंधुआ मजदूर की तरह पांच-पांच बार, छः-छः बार माननीय प्रह्लाद यादव जी जैसे लोग एक मजबूती के साथ, उनको कुछ सम्मान नहीं, कई लोग बैठे हैं उनका अपमान कीजिए । यह लोकतंत्र है, रानी के पेट से राजा पैदा नहीं होगा, लोकतंत्र में गरीबों की ताकत से, गरीबों के आशीर्वाद से वह राजगद्दी प्राप्त करता है और आज वंशवादी के कारण विवश होकर के इनकी प्रताड़ना को हमने देखा है ।

क्रमशः

टर्न-11/यानपति/12.02.2024

श्री विजय कुमार सिन्हा, उप मुख्यमंत्री (क्रमशः) : जिस तरह से जलील और यह तो एक उदाहरण है, बैठे हैं कई विधायक, मैं जानता हूं उनकी पीड़ा, कई लोग तो उनमें क्षमता, उनमें बहुत ताकत रहते हुए ऐसे लोगों को महत्व नहीं दिया, उनके दर्द को हमलोगों ने सुना, हमने कहा कि यह लोकतंत्र का मंदिर है मुझे बिहार को बचाना है,

मुख्यमंत्री जी ने सुधरने का अवसर दिया, नहीं सुधरा । यही आसन है, नेता प्रतिपक्ष के नाते हमने आग्रह किया था मुख्यमंत्री जी से कि मुख्यमंत्री जी आपने जिसको सत्ता में लाने का अवसर दिया उसका नेचर नहीं बदला । आज राहुल साहनी की हत्या कर देता है, उसपर एफ0आई0आर0 होने नहीं दे और आपने कागज लेकर जब कार्रवाई की बात की तो अगले की छटपटाहट, परेशानी और हंगामा और ब्लैकमेलिंग के भाव को आपने ठुकरा करके यह जता दिया, आपने बता दिया कि न मैं अपराध से समझौता करूंगा, न भ्रष्टाचारियों से समझौता करूंगा, अपराध-भ्रष्टाचार के विरुद्ध जो आपका मिशन था, आपने उस मिशन को फिर से साबित करके यह बता दिया कि बिहार की जनता के आंसू नहीं बहने देंगे । जनादेश एन0डी0ए0 का था, एन0डी0ए0 तब भी सत्ता में थी, एन0डी0ए0 आज भी सत्ता में है और अध्यक्ष महोदय मैं बता दूं, अभी बोल रहे थे, मैं जिम्मेवारी निभाऊंगा जनता के प्रति, 5 वर्ष आपको नेता प्रतिपक्ष का अवसर मिला, आप बता दें कि नेता प्रतिपक्ष के रूप में कितने लोगों के आंसू पोछने के लिए, क्योंकि विपक्ष की जिम्मेवारी होती है सरकार को सजग करना, जनता की आवाज को सरकार तक पहुंचाना 500 दिन का सफरनामा, विपक्ष में 341 बार, लगातार हमने किसी न किसी जिले के अंदर लोगों के आंसू पोछे और उनकी समस्या के लिए सरकार तक आवाज पहुंचाई । लेकिन आप नहीं कर पाएंगे क्योंकि आप तो सोने का चम्मच लेकर जन्म लिए हैं आपको तो पूरी तरह से दो-दो पूर्व मुख्यमंत्री का कहीं न कहीं एक अहंकार भरा है । माननीय उपाध्यक्ष महोदय, भ्रष्टाचार से करोड़ों की संपत्ति अर्जित करने वाले लोग पर जब कार्रवाई होती है तो भ्रम फैलाते हैं । हम तो ईमानदारी से काम करेंगे । कोई भी आकर जांच कर ले, कोई भी किसी तरह का हमसे प्रश्न पूछेगा, हम जवाब देंगे, हम रोयेंगे नहीं, भटकाएंगे नहीं । आज नियुक्ति के नाम पर घोटाला करनेवाले, नियुक्ति के नाम पर जमीन लिखानेवाले, नियुक्ति के नाम पर प्रतिभा का हनन करके किस तरह से माहौल खड़ा किए आज उस परेशानी को, उस झमेला को झेल रहे हैं, कहेंगे कि मैं बच्चा था, बच्चा थे तो इतनी संपत्ति आई कहां से और जिसने आपको संपत्ति देकर के आपको बर्बाद करने की कहानी लिखी, आप क्यों नहीं सच को बता देते, बिहार को बचाना है, बिहारी की गाड़ी, विकास की गाड़ी को बढ़ाना है । उपाध्यक्ष महोदय, आज हमारी सांस्कृतिक विरासत का अपमान किस तरह से किया जाता है, बार-बार आस्था पर चोट की जाती थी, बार-बार रामचरित मानस पर प्रश्न उठाया जाता था, बार-बार सनातन के संतानों को अपमानित और कलंकित करने का खेल खेलता था और आप सत्ता की मलाई खाने में इतने अंधभक्त हो चुके

थे, मुख्यमंत्री जी बार-बार रोकते थे कि किसी भी धर्म का अपमान नहीं होगा लेकिन आप बार-बार एक खास समुदाय के लोगों को अपमानित करने का, हमारे आस्था के सबसे बड़े केंद्र बिंदु भगवान राम पर, रामचरित मानस पर प्रश्न उठाकर के आपने सत्ता की लोलुपता को प्रदर्शित किया, क्या जिम्मेवारी आपने निभाई ? महोदय, देश के प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी, देश के गृह मंत्री माननीय अमित शाह जी, राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय जे0पी0 नड्डा जी और बिहार के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी मिलकर के बिहार की दशा को, दुर्दशा को देखकर के अपराध और भ्रष्टाचार जो जंगलराज वाले लोग गुंडाराज में तब्दील कर रहे थे, मैं बार-बार नेता प्रतिपक्ष के नाते आवाज उठाता था, माननीय मुख्यमंत्री जी से मिलकर बताता था, सड़क पर भी, सदन में भी कि ये लोग त्राहिमाम मचा दिए हैं और हम धन्यवाद देंगे मुख्यमंत्री जी को कि आपने संज्ञान लिया, आपने उसे बता दिया कि आप अपराधियों से और भ्रष्टाचारियों से समझौता नहीं करेंगे, आज ऐसे लोग जब सत्ता से बाहर गए हैं तो उनकी बेचैनी झलक रही है, सत्ता में रहते हुए मौन थे, माननीय उपाध्यक्ष महोदय, कहते हैं कि हमने किया, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी का विजन था, भाजपा का, जदयू का, एन0डी0ए0 गठबंधन का विजन था । 2005 से नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू हुई, माननीय राज्यपाल महोदय ने भी उसको पढ़ा, आपका विजन क्या था ? बहाली की प्रक्रिया, 15 साल जब मिला था शासन तो चरवाहा विद्यालय से बाहर क्यों नहीं निकल सके, क्यों विद्यालय की स्थिति खस्ता कर दिए, क्यों व्यवस्था नहीं बना सके, कौन सा विजन था ? नियुक्ति का मामला हो, जातीय गणना का मामला हो, मैं बता देना चाहता हूं कि जातीय गणना में ये बोल रहे हैं, है हिम्मत, खुली चुनौती देते हैं कि आपके 15 साल के जंगलराज में लोग पलायन के लिए विवश हुए, लोग यहां से अपना कारोबार बंद किए, दूसरे राज्य में हमारी नौजवान प्रतिभा का सम्मान कराने के लिए मजदूरी करने पर विवश हुआ, निवेशक बिहार के अंदर नहीं आया और जब आप सत्ता में आ गए तो जो निवेशक आया वह ठहर गया, आपकी यही उपलब्धि है । आज मुख्यमंत्री जी ने जातीय गणना के तहत आर्थिक और शैक्षणिक सर्वे भी कराया, 34 प्रतिशत लोग, 94 लाख परिवार, 6 हजार से कम आमदनी है, अब जहां 6 हजार से कम आमदनी के हमारे बिहारी हैं वहां पर ये चार्टर्ड विमान पर बर्थडे मनाते हैं, क्या यही समाजवादी का चरित्र था । महोदय, है हिम्मत तो 6 हजार से कम आमदनी वाले को प्राथमिकता के आधार पर हर जगह चाहे वह नौकरी हो, नियोजन में हो या उनके अनुदान में हो, रोजगार में हो पहली प्राथमिकता में, यह खुलकर साथ दें । गरीबों के प्रति जिम्मेवारी

है । देश के प्रधानमंत्री जी ने साफ कहा कि कोई जातीय उन्माद नहीं चलेगा, चार जाति है गरीब है, किसान है, महिला है, युवा है, गरीबों के प्रति हमदर्दी है हर जाति में गरीब है, आप उस जाति के गरीबों के प्रति आप ईमानदारी से चलिए, अपराधियों को, माफियाओं को आप संरक्षित मत करिए, आपके राज में कितने अपराधी पैदा हुए थे जब जंगलराज था, हर नौजवान के हाथ में हथियार देकर अपराधी बना दिया था, एन0डी0ए0 की सरकार में एक भी नया अपराधी पैदा नहीं हुआ जो अपराधी था उसे भी सुधरने का मौका मिला, उसे भी शांति से जीने का अवसर मिला । महोदय, इनलोगों की कथनी-करनी में कहीं से समरूपता नहीं है । मैं तो कहना चाहूंगा क्रेडिट की बात करते हैं, न विजन है, न नीयत है, न नीति है, न सोच है, आराम से पढ़े-पले लोग जमीन पर लड़ नहीं सकते और जातीय उन्माद से सत्ता नहीं बदलेगा । हर बिहारी को अपमानित करने का काम किसने किया, हर बिहारी अपने को एक गाली के रूप में कैसे स्वीकारता है, मैं तो कहना चाहूंगा तमाम बिहार के लोगों से कि हर बिहारी सारे जातीय बंधन को तोड़कर के, एक अच्छे लोगों की जमात बनाकर के फिर से बिहार का गौरव बढ़ाने के लिए बिहार के मान-सम्मान, स्वाभिमान के लिए एक बार आगे बढ़ें और जो श्री बाबू से यात्रा शुरू हुई, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी तक विकास का, अपराधमुक्त बिहार और भ्रष्टाचारमुक्त बिहार का संकल्प लें, हम तो हर नौजवानों को आपके आसन से ही बैठे थे, मुख्यमंत्री जी ने शुरुआत किया था और कहते हैं मुख्यमंत्री जी क्रेडिट नहीं, हम तो आसन से जब-जब कहे कि मुख्यमंत्री जी, प्रधानमंत्री जी आना चाहते हैं, मुख्यमंत्री जी, महामहिम राष्ट्रपति महोदय को लाना चाहते हैं, लोकसभा अध्यक्ष जी को, इन्होंने बढ़कर मदद किया था, सहयोग किया, ये तो उत्साहित करते हैं कि करिए ऐसा अच्छा काम और उपाध्यक्ष महोदय, अंत में यही कहेंगे कि..... (क्रमशः)

टर्न-12/आजाद/12.02.2024

..... क्रमशः .....

श्री विजय कुमार सिन्हा, उप मुख्यमंत्री : जब तक मनुज-मनुज का, सुख भाग नहीं सम होगा, खत्म न होगा कोलाहल, संघर्ष नहीं कम होगा ।

राजद के अन्दर करोड़ों का मालिक विधायक को अपमानित करे, जनता बेहाल रहे, प्रतिभा का हनन करें, जातीय बंधन को तोड़कर जातिमुक्त बिहार और भ्रष्टाचार मुक्त बिहार बनाने का संकल्प लेकर के हम बढ़ें, नया बिहार बनायें, एक नये

वातावरण में जो भी भूमिका मिली है, ईमानदारी के साथ कदम बढ़ायें, यही आग्रह है । बहुत-बहुत धन्यवाद ।

उपाध्यक्ष : अब सभी माननीय सदस्यों से आग्रह करते हैं, चूँकि समय बहुत हो गया, इसलिए दो से पॉच मिनट में अपनी बात रखेंगे । चूँकि समय काफी हो गया है । अब मैं माननीय सदस्य श्री शकील अहमद खॉ से आग्रह करता हूँ ।

श्री शकील अहमद खॉ : उपाध्यक्ष महोदय, मैंने पहले अपने भाषण में ही यह बात कही थी और यह बात कही थी कि कभी-कभी इतिहास में ऐसा दृश्य आता है जहां जीत में भी हार दिखती है । आप तमाम लोगों के चेहरे पर जीत तो गये हैं लेकिन शर्म से निगाहें झुकी हुई है, क्योंकि जो तर्क पेश किये गये हैं यहां, उस तर्क का कोई जवाब नहीं है । आप जवाब दे देंगे अपने तौर पर लेकिन जो इतिहासकार इतिहास लिखेगा, आज इसी सदन में जो बातें विपक्ष की तरफ से कही गई हैं, उसका कोई जवाब नहीं था । थोड़ा सा, चूँकि मैं कई चीजों का प्रत्यक्ष गवाह रहा हूँ और मैं जिन बड़ों के साथ इज्जत की है, मैं उनका इज्जत करता रहूंगा, उसमें कोई कमी नहीं होगी । लेकिन देश, राष्ट्र, गवर्नेंस तो सिद्धांत से चलता है और अगर उसमें सिद्धांत नहीं है, उसमें अपनी बातों पर मजबूती से खड़े रहने का सिद्धांत नहीं है तो आपकी इज्जत तारीख में नहीं होती । भारतीय जनता पार्टी के मेरे मित्रों, आप जानते हैं मैं उस इतिहास पर जाना नहीं चाहता कि आपका इतिहास क्या है और उसपर यहां कई बार चर्चा हो गई है । आप जिनपर इल्जाम लगाते हैं, आज जो उप मुख्यमंत्री जो पहले स्पीकर थे, उन्होंने कहा, अभी ये किसके खिलाफ बोल रहे थे कि मंत्रिमंडल में नहीं दिया, उन्हीं के खिलाफ बोल रहे थे जो सरकार में शामिल थे । सरकार के मुखिया कौन थे तो इसका मतलब है कि कन्ट्राडिक्शन से भरी हुई सरकार, विरोधाभास से भरी हुई यह सरकार आपस में इतना सिर फुटव्वल मचायेगी कि आप आगे आने वाले दिनों में देखेंगे । इसलिए मैं आप सबों को सचेत करता हूँ । यह बात मैं आपको बताऊं कि हमारी महिला-बहनें बैठी हुई हैं, मैंने आपके भी बयानात एक बयान के बाद देखा है । याद होगा आपको, मैं किसी एपीसोड को दोहराना नहीं चाहता हूँ । हमलोग तो डिफेंड कर रहे थे लेकिन आपको याद होगा, इसलिए सदन में कही गई बातें, कुछ बातें मुझको लगता है, भारतीय जनता पार्टी के इतिहास के बारे में माननीय मुख्यमंत्री जी ने कई बार कह दिया है कि देश बदल देगा, राज्य बदल देगा, कई बार उन्होंने कह दिया है, कई बार अपनी मुखालफत जाहिर कर दी है .....

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्य, अब आप कनक्लूड कीजिए ।

श्री शकील अहमद खाँ : मैं आपको बताता हूँ, मैं इस पटल पर बताता हूँ कि जनता दल (यू0) ने अपने मेनिफेस्टो में, अपने जमाने में जब कई बार एलायंस किया, आर्टिकल 370 पर कोई कम्प्रामाईज नहीं किये, आपने कम्प्रामाईज किया, बाबरी मस्जिद के इशुज पर कोई कम्प्रामाईज नहीं होगा, लेकिन आपने कम्प्रामाईज किया, यू ऑलवेज कम्प्रामाईज वीद द इशुज । यह है आपका इतिहास, आप बदलते रहे हैं अपने इशुज को, अगर आप अपने इशुज पर कायम नहीं रहेंगे, मंत्री बन सकते हैं, पावरफुल बन सकते हैं लेकिन आपको यह इतिहास याद नहीं रखेगा । इतिहास यह याद रखेगा कि आपने अपनी कुर्सी को बचाने के लिए अपने को धोखा दिया है .....

उपाध्यक्ष : अब समाप्त करें माननीय सदस्य ।

श्री शकील अहमद खाँ : इसलिए मैंने कहा कि गालिब का एक शेर है, तीर्थस्थान काबा हमारा तीर्थस्थान है, काबा किस मुँह से जाओगे गालिब, शर्म तुमको मगर नहीं आती । तीर्थस्थान किस मुँह से जाओगे, शर्म आनी चाहिए । अपने पापों को धोने का समय भी खतम हो गया है । यह दोनों गठबंधन सिद्धांतविहीन है, कोई वैचारिक गठबंधन नहीं है । इसलिए हम कहते हैं कि आप सबलोग सही गवर्नेंस नहीं कर पायेंगे, आप लोगों की सेवा नहीं कर पायेंगे, आप पिछड़ा, अति-पिछड़ा, दलित, महादलित सबके खिलाफ आप यह गवर्नेंस चलायेंगे और उसको हमलोग देखेंगे । धन्यवाद ।

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री सुदामा प्रसाद, दो मिनट ।

श्री सुदामा प्रसाद : माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आपका आभार कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया । मैं कामरेड महबूब आलम जो विधायक दल के नेता हैं, उनका भी आभार है और मैं महागठबंधन के नेता हैं श्री तेजस्वी प्रसाद यादव जी, उनको मैं भरोसा दिलाना चाहता हूँ अपने विधायक दल की ओर से, भाकपा माले की ओर से भी कि आपने जिन मुद्दों को लेकर के सरकार में काम किया, रोजगार के सवाल पर, जातीय जनगणना के सवाल पर, स्कील्ड वर्कर्रों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए इन एजेंडों को लेकर हम सदन के अन्दर हमेशा लड़ेंगे, हम आपके साथ मजबूती के साथ खड़ा रहेंगे और सदन के बाहर भी लड़ेंगे, यह भरोसा मैं आपको दिलाता हूँ, इसमें अगर किसी भी तरह की कुर्बानी की बात आयेगी, हमलोग आगे बढ़कर कुर्बानी भी देंगे ।

महोदय, यह गिनीज बुक में माननीय मुख्यमंत्री जी का नाम जरूर लिखा जायेगा कि ये नौवीं बार शपथ लिये, लेकिन एक बुक और भी है, पिपुल बुक, उसमें भी यह बात लिखा जायेगा कि इनके इस उलटा-पलटी ने बिहार के लाखों नौजवान के बेहतर भविष्य की आकांक्षा का खून कर दिया, उनके अन्दर रोजगार पाने की एक

आकांक्षा पैदा हुई थी, जो काम 17 वर्षों में नहीं हुआ, वह 17 महीनों में महागठबंधन की सरकार ने बिहार में लाखों नौकरियां पैदा करके साबित किया कि सरकार अगर चाहे तो नौकरी दे सकती है । जो लोग कहते थे कि पैसा कहां से आयेगा, भगवान भी आ जायेगा तो नियोजित शिक्षकों को राज्यकर्मी का दर्जा नहीं मिलेगा लेकिन महागठबंधन की सरकार ने इसको करके दिखाया । वे नौजवान, वे बेरोजगार जो बेहतर जीवन की आकांक्षा में नौकरी की उम्मीद पाले हुए थे और महागठबंधन की सरकार ने दिया, न सिर्फ बिहार के नौजवानों को रोजगार दिया बल्कि उत्तरप्रदेश सहित कई राज्यों के नौजवान यहां पर रोजगार पाने का काम किये। यह काम महागठबंधन की सरकार ने किया है । जातीय जनगणना, जातीय गणना जो हुआ, उसमें यह बात साबित हुई और आरक्षण की सीमा बढ़ायी गयी । भाई, समाज का जो 64 प्रतिशत हिस्सा है, वह किन स्थितियों में रह रहा है .....

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्य, अब आप समाप्त करें ।

श्री सुदामा प्रसाद : वह जो भूमिहीन गरीब किसान हैं, खेत मजदूर हैं, बटाईदार किसान हैं, फुटपाथी दुकानदार हैं, रिक्शा चलाने वाले लोग हैं, वैसे लोगों को बेहतर जीवन देने का प्रयास होता, लेकिन इस उल्टा-पुल्टी की सरकार से कहिए कि उस प्रयास पर पानी फिर गया । यह बात लिखी जायेगी कि जनता आने वाले दिनों में सूद सहित हिसाब चुकायेगी एन0डी0ए0 सरकार को, इसी के साथ अन्त में एक बात और कहना चाहता हूँ कि हमलोगों ने देश में अभी जो विपक्षी एकता का प्रयास शुरू हुआ, 18 फरवरी, 2023 को भाकपा माले के 11वें अधिवेशन में यह मौका दिया गया। उसमें माननीय मुख्यमंत्री जी गये थे, माननीय उप मुख्यमंत्री जी गये थे, सलमान खुर्शीद साहेब आये थे, कई वामपंथी दलों के नेता आये थे और उसी के प्रयास को आगे बढ़ाते हुए बैठक हुई थी .....

उपाध्यक्ष : अब समाप्त कीजिए ।

श्री सुदामा प्रसाद : उसी प्रयास को इस उल्टा-पुल्टी से धक्का देने का प्रयास किया गया लेकिन यह होने वाला नहीं है । विपक्षी एकता और इंडिया गठबंधन और ज्यादा मजबूत होकर के लोक सभा चुनाव में अपना जीत का झंडा गाड़ेंगे ।

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री सूर्यकांत पासवान ।

टर्न–13/शंभु/12.02.24

श्री सूर्यकान्त पासवान : माननीय उपाध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मैं आपका आभार प्रकट करता हूँ। आज विपरीत परिस्थिति में जो सरकार बनी है, हम माननीय मुख्यमंत्री, माननीय उप मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद देते हैं और जिस रूप में आपने राज्य से लेकर देश तक में जनता से चुनी हुई जिनको जनादेश मिला वैसी सरकार को अपदस्थ करने का काम आपने किया है, वही खेला आपने बिहार में भी कर दिया है । आपने ऐसा किया है जिसका उदाहरण है, आपने सदन के अंदर भी 146 सांसदों की सदस्यता समाप्त करने का काम किया और महागठबंधन की सरकार ने 17 साल बनाम 17 महीना में जो काम किया, बिहार के नौजवानों को रोजगार मिला, बिहार के गरीबों को हक हुकूक मिला उसपर आपलोगों ने पानी फेरने का काम किया है । बिहार की जनता देख रही है आपका जो स्लोगन है हम उस स्लोगन से अलग नहीं हैं । हम भी भगवान का नाम लेते हैं, पूरे देश के लोग भगवान का नाम लेते हैं, लेकिन आप मत घबराइये कि भगवान के नाम पर आप पार लगते जाइयेगा और एक न एक दिन वह समय आयेगा, झूठ का पुलिन्दा खुलेगा । आप किसान विरोधी हरकत करते हैं, आप दलित विरोधी हरकत करते हैं । आपकी सरकार किसानों की बात नहीं सुनती है, आपकी सरकार दलितों की बात नहीं सुनती है । आपकी सरकार मूकदर्शक होकर देखती रहती है । मध्यप्रदेश के अंदर दलितों के उपर भाजपाइयों का पेशाब करते हुए विडियो दिखाया गया और आपने इसपर कुछ नहीं बोला है । आज इस राज्य के अंदर दलितों के उपर जो अत्याचार है वह बर्दाश्त नहीं होगा ।

उपाध्यक्ष : अब आप समाप्त कीजिए ।

श्री सूर्यकान्त पासवान : हमारी पार्टी लड़ती आयी है और लड़ती रहेगी । हम महागठबंधन के लोग बिहार के गरीबों के हित की बात किये हैं, गरीबों के हित की बात करते रहेंगे । हमलोग जनता के अदालत में जायेंगे और अपनी बात को रखेंगे ।

उपाध्यक्ष : ठीक है, अब समाप्त कीजिए । माननीय सदस्य अजय कुमार जी, अपना पक्ष रखें ।

श्री सूर्यकान्त पासवान : इसी के साथ हम अपनी बात को समाप्त करते हैं ।

श्री अजय कुमार : माननीय उपाध्यक्ष महोदय और सदन में बैठे हुए तमाम इस सदन के सदस्य और मंत्रीगण, बहुत ही ऐतिहासिक क्षण है और मैं तो पहली बार विधान सभा में जीतकर आया था और मुझे लगा कि माननीय मुख्यमंत्री जी जब बोलेंगे, जो बोलते हैं वे करते हैं और करेंगे, लेकिन जब 2022 के 9 अगस्त के बाद जब हमलोग मिले थे और उनके भाषण को मैंने सुना तो उन्होंने कहा था कि इस देश के संविधान को

पलटने की कोशिश वे कर रहे थे, देश के इतिहास को बदलने की कोशिश कर रहे थे, देश के आजादी की लड़ाई में जिनकी कोई भूमिका नहीं है उनको इतिहास के पन्ने में लाया जा रहा है और जो कुर्बानियां दिये थे वैसे क्रांतिकारियों का नाम देश के इतिहास से मिटाने का काम कर रहा था । मुझे याद है बगल में बैठे हुए हैं हमारे सम्राट जी इनकी एक बार नहीं कई बार इन्होंने कहा कि मेरी पगड़ी जो बंधी हुई है वह खुलेगी उस दिन जब नीतीश कुमार जी को गद्दी से उतार देंगे । आज बिहार की जनता यह जानना चाहती है कि इस दो विरोधी विचारधारा के बीच जो दोस्ती हुई वह आखिर क्या मजबूरियां थी । इन मजबूरियों को बिहार की जनता समझना चाहती है, इन मजबूरियों को बातने की कोशिश कीजिएगा आप । मैं जानना चाहता हूँ और बिहार की जनता जानना चाहती है कि जब आप कह रहे हैं कि आप भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रहे थे, भ्रष्टाचारी हैं तो तीन को जो बैठाये हैं वह किस शर्त्त पर लाकर बैठाये हैं यह भी आप बताने की कोशिश कीजिएगा कि वह समझौता आपने उनके साथ क्या किया है । महोदय, आपने शिक्षक बहाली के बारे में कहा मुझे तो याद है अभी माननीय विजय जी नहीं हैं वे यहां पर बैठे हुए थे और सड़क पर संघर्ष कर रहे थे, सम्राट जी इसी सदन में कह रहे थे कि शिक्षकों के साथ अन्याय हो रहा था तो आज तो आप मंत्री बनकर बैठे हुए हैं । जिस बात के लिए संघर्ष कर रहे थे । मैं उम्मीद करूँगा कि जब आप उद्बोधन करेंगे, संबोधन करेंगे तो जरूर इस बात का जिक्र करेंगे कि जिन शिक्षकों के सवाल पर बिना परीक्षा लिये हुए आपने जो जनता के बीच में अपने अल्फाज को रखा था ।

उपाध्यक्ष : अब आप समाप्त करें ।

श्री अजय कुमार : महोदय, एक मिनट समय दिया जाय । दूसरी बात आपको यह बताना चाहिए कि जब आप कह रहे थे कि बिहार के विकास के लिए जो योजना 17 साल का काम 17 महीने में किये हों उसके लिए पैसे कहां से लाओगे, अब कहां से पैसे आयेंगे यह तो बताना चाहिए न । अब डबल इंजन की सरकार है माननीय मुख्यमंत्री जी, आप यह कहते थे कि बिहार का हक नहीं मिलता है तब अब तो आप उनके साथ बैठे हुए हैं, बिहार को विशेष राज्य का दर्जा, बिहार को एक विशेष पैकेज या बिहार को आप कितना गति से चलायेंगे यह देखेंगे, लेकिन मैं उम्मीद करूँगा कि.....

उपाध्यक्ष : अब आप समाप्त कीजिए ।

श्री अजय कुमार : आपके नेतृत्व में फैसला हुआ था कि बिहार के गरीबों को जो भूमिहीन हैं गरीबों को घर बनाने के लिए 5 डि0 जमीन देगी आपने घोषणा करवाया था उसे पूरा करायेंगे । इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी बात को समाप्त करता हूँ ।

श्री जीतनराम मांझी : उपाध्यक्ष महोदय, सरकार के द्वारा जो सरकार के लिए विश्वासमत प्राप्त करने के लिए प्रस्ताव आया है हम उसका समर्थन करते हैं । महोदय, समर्थन हमलोग इसलिए करते हैं एक दो बात कहना है ज्यादा मैं नहीं बोलूंगा चूंकि समय भी आप नहीं देते हैं । सबसे पहले माननीय तेजस्वी प्रसाद जी को मैं कहना चाहता हूँ जो इंगित करके मुझे कह रहे थे । उनको जवाब मैं देना चाहता हूँ कि संगति बहुत इम्पोर्टेन्ट चीज है जिसकी संगति में हम रहेंगे तो जरूर हमारी मानसिकता में कहीं न कहीं गड़बड़ी आ जायेगी तो निश्चित रूप से जिस प्रकार से तेजस्वी जी और उनके साथी लोग हैं और बिहार में जिस प्रकार से 2005 के पहले की स्थिति पैदा कर रहे थे, जिसकी चर्चा माननीय मुख्यमंत्री कई बार तेजस्वी जी के सामने मीटिंग में कहा कि मैं 2005 के पहले की स्थिति नहीं आने दूंगा और इसीलिए हम माननीय मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद देते हैं कि आज वह स्थिति नहीं आवे इसके लिए उन्होंने आज बदला है और एन0डी0ए0 का साथ दिया है । इसलिए मैं बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ महोदय । दूसरी बात हमें साम्यवादी और प्रगतिशील विचार के साथियों पर तरस आता है इन्होंने कभी नहीं कहा कि जितनी पर्चा आज तक इशू हुई है और जो रसीद कटाकर बैठे हुए हैं सैकड़ों एकड़ जमीन किसके कब्जे में है ये बताने काम नहीं किया है इन्होंने और यही कारण है कि हम नीतीश कुमार से कहा करते हैं, आज भी हम कहेंगे कि आप कई एक लाख एकड़ जमीन बांटे हैं, पर्चा मिला है, रसीद कटा रहा है लेकिन उसपर कब्जा उनका नहीं है और मैं बहुत दावे के साथ कहता हूँ चूंकि गांव घर में मैं रहनेवाला हूँ चाहे 3 डि0 जमीन का मामला हो या एक एकड़ जमीन का मामला हो भूदान से हो, सीलिंग से हो, बिहार सरकार की जमीन हो वह सौ में 90 प्रतिशत जमीन राष्ट्रीय जनता दल के साथियों के कब्जा में है इसको छुड़वाने के लिए नीतीश कुमार जी ने जो एक्शन लिया है । इसके लिए मैं उनको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ। यही कहकर के चूंकि समय उतना नहीं है यही दो विचार कहकर के मैं अपनी बात को समाप्त करता हूँ ।

टर्न–14/पुलकित/12.02.2024

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री अखतरूल ईमान ।

श्री अखतरूल ईमान : महोदय, मैं अपनी बात कहां से शुरू करूं ।

श्री सत्यदेव राम : उपाध्यक्ष महोदय, जमीन किसने चुराई है इसकी एक जांच सरकार करवा दे अगर इतनी ईमानदारी है तो जांच करवा दी जाए ।

उपाध्यक्ष : ठीक है, आपका समय आयेगा तब बोलियेगा ।

श्री अखतरूल ईमान : उपाध्यक्ष महोदय, मैं अपनी बात शुरू करते हुए और सदन के फैसले के मुताबिक नई सरकार को बधाई देते हुए, अपनी बात शुरू करते हुए बड़ा परेशान हूँ कि कहां से बात शुरू करूं । बेकल उत्साही महान कवि है उनकी दो नुसरे मुझे याद है– ''हर तरफ आग है, धुआं है, 2002 के पहले का गुजरात कहां है ।'' मुझे आज यही कहना है कि सत्ता है और विपक्ष है । मैं ढूंढ रहा हूँ कि वर्ष 2005 के माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कहां है ? वचनबद्धता थी, बातों में मजबूती थी, कुछ करने का संकल्प था लेकिन अफसोस है कि सीमांचल के एक महान कवि युसुफ शाहिदी साहब ने कहा –

''एक जमाना आयेगा, लोग जमीर बेचकर कुर्सियों से प्यार करेंगे,
सियासी लोग यही कारोबार करेंगे ।''

मुझे बड़ा अफसोस है कि आज इस सियासी कारोबार से तीन सालों के दरम्यान में तीन बार सरकार अदलती–बदलती है उससे नौकरशाही का बड़ा बढ़ावा हुआ है । रिश्वतखोरी बढ़ी है, लोकतंत्र की मर्यादाएं कमजोर हुई हैं । विपक्ष के लोगों से भी मुझे उम्मीद थी अगरचे मेरा ही कत्ल होकर इनका महल तैयार हुआ था लेकिन इनसे उम्मीद थी कि ये जब कुर्सी पर बैठेंगे तो शायद कुछ मर्यादाओं का ख्याल करेंगे । मेरे खून से इनके चमन में रंगीनी आई है मेरे साथ इंसाफ करेंगे। लेकिन अफसोस है कि सीमांचल में खुद ही माननीय उपमुख्यमंत्री जी ने वायदा किया था मेरी सरकार आयेगी तो सीमांचल पर विशेष क्षेत्र बनाने का कमिशन मैं जारी करूंगा, जो कि ठाकुरगंज में कहा था लेकिन इन्होंने नहीं किया । मुझे इस बात का गम नहीं है चूँकि सब के दिल में है खोट, सब ने दी है हमको चोट । इसलिए हम आपसे निवेदन करना चाहते हैं कि इस वक्त 500 करोड़ रुपये जो बिहार के गरीब और मजदूरों के खून–पसीने की कमाई है जिससे कि बिहार में जाति आधारित जनगणना हुई है और इस गणना के मुताबिक एस0सी0 बिरादरी की आबादी 2 करोड़ 56 लाख है यानी 20

फीसद है । उनकी 20 लाख 49 हजार 370 नौकरियों में उनकी नौकरी की हिस्सेदारी में 4 लाख 11 हजार होती है । उनको सिर्फ 2 लाख 91 हजार नौकरी दी गयी है । बिहार में मुस्लिम अल्पसंख्यक की आबादी 2 करोड़ 31 लाख होती है उनकी आनुपातिक हिस्सेदारी नौकरी में 3 लाख 68 हजार की होती है और उन्हें मात्र 1 लाख 95 हजार नौकरी उनकी समाप्त कर दी गयी है ।

उपाध्यक्ष : ठीक है, अब समाप्त कीजिए ।

श्री अखतरूल ईमान : महोदय, मैं नयी सरकार से आशा करूंगा और माननीय मुख्यमंत्री जी की वचनबद्धता का हम सबूत चाहते हैं कि कम से कम इस परिस्थिति में इन लोगों को कम से कम नौकरी दिलवाने के लिए वे विशेष प्रावधान करेंगे । हम आपको इस बात के लिए साधुवाद देते हैं कि आपने मुझे मौका दिया । साम्प्रदायिकता और निज स्वार्थ की राजनीति ने हमेशा देश को नुकसान पहुंचाया है, बिहार ने देश को राह दिखाई है । साम्प्रदायिक से अलग होइये, निज स्वार्थ से अलग होकर पूरे देश को एक राह दिखाने का काम बिहार करें, हम उसकी कामना करते हैं ।

उपाध्यक्ष : माननीय मंत्री, श्री विजय कुमार चौधरी जी ।

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : उपाध्यक्ष महोदय, आज माननीय मुख्यमंत्री जी ने जो विश्वास मत इस सदन में पेश किया है अभी चर्चा चल रही है और मैं विश्वास मत के समर्थन में कुछ बिंदु रखना चाह रहा हूँ । वैसे समय काफी बीत चुका है, माननीय मुख्यमंत्री जी भी बोलेंगे इसलिए अति संक्षेप में बोलूंगा । लेकिन तेजस्वी जी ने जिन बातों का जिक्र किया है हम उसी की चर्चा करना चाहते हैं कि शुरू से ही पहले ही उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की क्या मजबूरियां थीं, क्या मजबूरियां थीं यह तीन बार पूछा । हम तो यही कहना चाहते हैं और इसलिए कि अखतरूल साहब ने अपनी बात की शुरूआत शेर से ही की थी और तेजस्वी जी पूछ दिये कि क्या मजबूरियां थीं मुख्यमंत्री जी की । हम तो यही कह रहे थे कि....

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव : आप शेर ही बोलेंगे या मजबूरियां भी बोलेंगे ।

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : असली बात भी बोलेंगे । हम तो यही कहेंगे कि

''कुछ तो मजबूरियाँ रही होंगी, यूं ही कोई बेवफा नहीं होता ।
अपना दिल टटोल कर देखिये, यूं ही ये फासला नहीं होता ।।''

महोदय, मैं ज्यादा विस्तार में नहीं दो-तीन चीज, हालांकि तेजस्वी जी ने हमारे कुछ कहने का रास्ता भी साफ कर दिया है । वे क्रेडिट लेने की बात पर बड़ा जोर दे रहे थे कि हम क्यों नहीं क्रेडिट लें । हम सरकार में साथ थे, सरकार में साथ

थे इसलिए क्रेडिट हमको भी दीजिए । अगर यह कहते तो थोड़ी देर के लिए समझ में भी बात आती लेकिन....

(व्यवधान)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव : जिस दिन नियुक्ति पत्र मिला है, जिस दिन नियुक्ति पत्र बंटा है, उपमुख्यमंत्री होने के नाते उसका सारा श्रेय हमने नीतीश कुमार जी को दिया था । जब सब को नौकरी मिली तो उन्हीं के सामने .....

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : ठीक है, आप बोल चुके हैं । अब माननीय मंत्री जी बोलने दीजिए ।

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : महोदय, तेजस्वी जी बोल रहे थे हम एक बार नहीं टोके थे, यह बात क्यों भूल गये । जब आप बोल रहे थे तब हम एक बार भी टोके, आप मेरी तरफ देखकर बोल रहे थे, हम आपकी सब बात सुन रहे थे । जो हम भी बोलेंगे सच ही बोलेंगे, सच सुनने की भी हिम्मत चाहिए । महोदय, ये क्रेडिट लेनी की बात हालांकि उन्होंने स्थिति स्पष्ट कर दी कि सरकार में हम भी साथ थे । साथ रहने का उस वक्त क्रेडिट कौन नहीं दे रहा था लेकिन आप हमारे नेता नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में आप साथ दे रहे हैं और क्रेडिट एकदम कंसंट्रेटेड फॉर्म में अपने ले रहे हैं यह कहां का इंसाफ है ?

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : शांति-शांति । आपके भाषण में कोई टीका-टिप्पणी नहीं किया है कृपया बैठ जायं।

शांति-शांति ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव : महोदय, जब हम पूरा बता रहे हैं तो घटनाक्रम भी बताना चाहिए । जब माननीय मुख्यमंत्री जी गर्वनर हाऊस से बाहर निकले तब उन्होंने कहा था क्रेडिट लेना था, हमारा मन नहीं लग रहा था ।

उपाध्यक्ष : आप बोल चुके हैं अब बोलने दीजिए ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव : जब नियुक्ति पत्र बांटा जा रहा था तो हमलोग सारा श्रेय इन्हीं को दे रहे थे ।

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : महोदय, आखिर कौन नहीं जानता है इस प्रदेश में या कौन इस सदन के माननीय सदस्य नहीं जानते हैं कि सरकार में कोई बड़ा फैसला चाहे लाखों की नियुक्ति का हो या कोई सैद्धांतिक रूप से नई नीति बनाने का फैसला हो । यह कौन नहीं जानता है कि यह सरकार के मुखिया ही तय करते हैं और उन्हीं के माध्यम से होता है ।

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : आप बोलिये ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव : 17 साल में क्यों नहीं हुआ ? इन्हीं 17 महीने में क्यों हुआ ? विजय बाबू 17 महीने में क्यों हुआ ? असंभव ।

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : अभी बता रहे हैं । महोदय, जब नियुक्तियों की या बेरोजगारों को नौकरी देने की बात आती है तो हम बराबर देखते सुनते हैं कि उसमें सबसे पहले शिक्षा विभाग की बात आती है । हमारे तेजस्वी जी ने भी अभी कहा कि दो लाख नियुक्तियां हमने कर दी । महोदय, तेजस्वी जी को जरूर पता है हमसे भी बात हुई थी इन नियुक्तियों से संबंधित सारे सैद्धांतिक फैसले हमारे शिक्षा मंत्री रहते लिये गये थे ।

(व्यवधान)

और महोदय,

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : देखिये, आपलोगों की बारी में कोई आदमी नहीं उठा था, इसलिए शांति से सुनिये ।

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : शिक्षा मंत्री जी के संबंध में हम तो कुछ नहीं बोल रहे थे चंद्रशेखर जी । देखिये, अब शिक्षा मंत्री जी जो पूर्व है....

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : कृपया बैठ जाएं ।

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : शिक्षा मंत्री जी तो बोल दिये, ऐसे तो हम नहीं बोलना चाहते थे । अभी शिक्षा मंत्री जी तो बोल दिये, लेकिन हम नहीं बोलना चाहते थे लेकिन उन्होंने मजबूर किया है तब हम यह जरूर कहना चाहते हैं । यह सारे बिहार ने देखा है, सारे सदस्य जानते हैं कि शिक्षा विभाग की ये नियुक्तियां तब हुई थीं जब शिक्षा मंत्री जी ने दफ्तर जाना छोड़ दिया था । ये सारी नियुक्तियां तब हुई थीं ।

(व्यवधान)

महोदय, यह तो सारा बिहार गवाह है । महोदय, शिक्षा मंत्री जी तो...

..

(व्यवधान)

अब संक्षेप कर देते हैं ।

टर्न–15/अभिनीत/12.02.2024

श्री चन्द्रशेखर : महोदय, यह गलत बयानी है, ये गलत बयानी कर रहे हैं..

(व्यवधान)

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : हम तो आपको कुछ कह नहीं रहे थे आप ही हमको जबर्दस्ती बोलवा दिए । महोदय, मैं और कुछ नहीं कहना चाहता हूं । ये बार–बार, और दूसरा महोदय, एक तो यह हुआ और दूसरा जातीय गणना की बात भी सुने कि हमने कर दिया । महोदय, क्रेडिट लेने की बात नहीं है ये दवाब की क्रेडिट लेने की आज़माइश है । ये कह रहे हैं महोदय, तेजस्वी जी का खूब बड़ा इश्तिहार हमने देखा कि यह जातीय गणना हमारे दबाव में, हमने कराया और उसी के कल होकर हमने राहुल गांधी जी का बयान देखा । कांग्रेस के जो नेता हमारे राहुल गांधी जी हैं महोदय, हम भी कांग्रेसी रहे हैं पुराने जमाने के, अब मुझे खुशी है कि राहुल जी के जमाने में हम कांग्रेसी नहीं हैं, मुझे इस बात की खुशी है । राहुल जी का भी बयान देखे कि हमारे दबाव में जनगणना हुई । महोदय, यह सदन गवाह है कि जब जातीय गणना की कोई सोचता नहीं था उस समय हमारे मुख्यमंत्रीजी ने जातीय गणना की मांग उठायी है और पूरे देश में जातीय गणना कराया है । इसलिए आपको साथी के रूप में, एक साथी के रूप में सहयोग में कहां इंकार हो सकता है लेकिन कभी जो आपको लगता है कि आपके दबाव में कुछ हुआ है, तो नीतीश कुमार ने आजतक कभी किसी के दबाव में कोई फैसला न लिया है और न आगे लेने वाले हैं । महोदय, हमारा यह गठबंधन, हमारी सरकार नई है । यह सरकार अभी बनी है इसलिए तो मुख्यमंत्रीजी विश्वास मत ले रहे हैं । सरकार नई भले है लेकिन गठबंधन पुराना है, समझदारी पुरानी है, हमारा समझौता पुराना है और बिहार की जनता का तो आशीर्वाद हमने इसी गठबंधन के बल पर लिया था और तेजस्वी जी भी जानते हैं कि इस विधान सभा का गठन जो है, इस विधान सभा का गठन भी इसी गठबंधन के आधार पर हुआ था 2020 में, तो यह क्या नया गठबंधन है ? महोदय, यह तो सबसे पुराना गठबंधन है लेकिन हम आपको आश्वस्त करते हैं कि बिहार को आगे बढ़ाने की, बिहार के गरीबों की मदद करने की जो योजनाएं चल रही थीं, आप भी साथ थे तब भी हमने चलायी थी और आगे भी चलाते रहेंगे, इसलिए मेरा सदन से अनुरोध है कि सबलोग मिलकर मुख्यमंत्रीजी के प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित करिए ।

उपाध्यक्ष : माननीय डिप्टी सी0एम0 श्री सम्राट चौधरी जी ।

श्री कुमार कृष्ण मोहन उर्फ सुदय यादव : उपाध्यक्ष महोदय, सदन में....

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : बोल लिए हैं । माननीय सदस्य, आप बैठिए ।

श्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री : उपाध्यक्ष महोदय, आज माननीय मुख्यमंत्रीजी के द्वारा विश्वास के प्रस्ताव के समर्थन में और पूरी भारतीय जनता पार्टी एकजुटता के साथ आदरणीय नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में पूर्ण रूप से समर्थन देने का काम करेगी...

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, शांति-शांति ।

श्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री : एक-एक चीजों पर आउंगा चिंता मत कीजिए । देखिए, आपलोग तो खेला कर रहे थे, हमलोगों ने खिलौना दे दिया है खिलौना से जाकर अब खेलिएगा ।

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, शांति-शांति ।

श्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री : देखिए साथियों, उपाध्यक्ष महोदय, आज कई चीजों की चर्चा यहां पर हुई है । यह 1996 से एन0डी0ए का गठबंधन बना और कुछ लोगों को भ्रम है कि मैं किसी एक पार्टी का जन्मदाता हूं । जन्म वहां लिये और उनको पता भी नहीं होगा बच्चे होंगे, छोटे होंगे इसमें कहां दोमत है छोटे भाई हैं उनका सम्मान करता हूं । साथियों, एक चीज समझिए, 1995 में आदरणीय नीतीश कुमार जी को ही मुख्यमंत्री बनाने के लिए समता पार्टी का गठन 1994 में हुआ था और मुझे लालू प्रसाद जी के राज में लाठियों से पीटने का काम किया, जेल में डालने का काम किया और अपराधी की तरह बर्ताव करने का काम किया । मैं जानता हूं उसी लालू प्रसाद जी को माफी मांगना पड़ा मिलर स्कूल के मैदान में । गलतफहमी में आप मत रहिए मैं एक-एक व्यक्ति को पहचानता हूं । अभी आदरणीय तेजस्वी जी कह रहे थे कि मेरे पिताजी, मेरी माताजी आरक्षण देती थी । एक व्यक्ति का नाम बताइये जिसे आरक्षण मिला हो । एक व्यक्ति, 1990 से 2005 तक किसी भी रूप में कोई भी आरक्षण मिला हो आप हमको बताइये मैं जानना चाहता हूं । आरक्षण आपको मिला, आरक्षण आपको मिला, अरे ! हम तो लाठी खाकर आये, अत्याचार देखना पड़ा और मेरा घर तोड़ दिया गया । ह्यूमन राइट्स कमीशन ने उस समय आयोग का गठन किया और उस समय हमको मुआवजा देने का काम किया बिहार की सरकार ने, हमलोगों ने वह दिन देखा है, कहां गलतफहमी में आप हैं । साथियों, आरक्षण आप नहीं दे सकते हैं और आप छोटे भाई

हैं, बहुत अच्छी सलाह है आप मेहनत करें इसमें कहीं दोमत नहीं है । भगवान करे कि अभी तो दस साल में आपने कोई मेहनत नहीं किया, आठ साल में, आगे मेहनत कर लीजिए तो बड़ा अच्छा हो जायेगा, क्योंकि आप ऐसे व्यक्ति हैं जो डेढ़ साल की उम्र में अरबपति बनने वाले हैं, दूसरा कोई मैकेनिज्म आपके पास नहीं है । भ्रष्टाचार का प्रतीक कौन है सिर्फ लालू जी का परिवार और आपको पता नहीं है कि 15 साल लालू जी सत्ता में रहे तो चारा खा गये और जब रेलमंत्री हो गये तो रेलवे की नौकरी खा गये । यही है क्वॉलिटी आपकी, गलतफहमी में मत रहिएगा । मैं सब जानता हूं चन्द्रशेखर जी, अरे ! हमारे छोटे भाई हैं इनको मैं सलाह दे रहा हूं । अभी बोल रहे थे न कि जिस दिन सरकार बदली कहा गर्व से कि खेला कर देंगे । यह क्या हो गया खेला हो गया न और आपको स्पष्ट तौर पर बताता हूं कि ये जो पांच विधायक हमारे गायब हुए हैं न एक-एक का इलाज करूंगा गलतफहमी में मत रहिएगा । यहां तो सदस्य ने ही कहा कि हमारे लोग, खाना हमारा खाये और आज विधान सभा आ गये । आप हमको लोकतंत्र सिखाइएगा । लोकतंत्र लूट रहे थे आप पिछले एक सप्ताह से...

(व्यवधान)

श्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री : लूटने का काम कर रहे थे और आप हमको सीखा रहे हैं । ये तो सामने-सामने आये आप तो छुपाकर रखे । सारी चीजों की जांच होगी कंफर्म रहिए, आपलोग कोई छुटने वाले नहीं हैं । साथियों, आप जो माफिया राज सोचते हैं, माफिया राज, माफिया राज बनाना चाहते हैं । बालू माफिया, शराब माफिया और जमीन माफिया यही है आपका, इन सब पर इलाज होगा गलतफहमी में मत रहिएगा । हमलोग देख रहे थे, कह रहे थे भाई साहब हमारे कि लालू जी का परिवार कभी डरेगा नहीं । अरे ! आपके पिताजी को मुख्यमंत्री बनाने वाला भाजपा है गलतफहमी में मत रहिए । 39 विधायकों का समर्थन था तब मुख्यमंत्री बने, नहीं तो आप कहां थे । अरे ! आप कहां थे ? आप समझिए मैं यह कह रहा हूं कि लालू जी भी मुख्यमंत्री बने, आदरणीय नीतीश कुमार जी उस समय उनके चाणक्य हुआ करते थे । लालू जी को यदि नीतीश जी का साथ नहीं होता तो मुख्यमंत्री बने होते क्या ? लेकिन एकदम स्पष्ट रहिए सी0बी0आई0 हमने नहीं चलाया है । सी0बी0आई0 1996 में आया, यही लालू प्रसाद जी मुख्यमंत्री के तौर पर थे, तब वह स्वयं राष्ट्रीय अध्यक्ष जनता दल के थे और जनता दल की सरकार देश में थी । तब प्रधानमंत्री आपका था कोई दूसरे का नहीं था, तब से आप जेल जा रहे हैं कोई नया काम नहीं हो रहा है । ..क्रमशः..

टर्न-16/हेमन्त/12.02.2024

श्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री(क्रमशः) : इसलिए यह तो आपका सर्टिफिकेट है । आपकी पार्टी ने आपको कहा कि आप भ्रष्टाचारी हैं, कोई दूसरा नहीं कह रहा है । आपको कह रहा है । यह 1996 से हो रहा है, आज से थोड़े ही हो रहा है । 1996 से लालू जी को लगातार और किसके साथ बैठे हैं । शकील साहब अभी बोल रहे थे । पहले तो किसी को बोलने ही नहीं दे रहे हैं शकील साहब । बेचारे अजीत शर्मा जी पहले नेता थे, उनको पहले कभी-कभी मौका मिलता था । कांग्रेस पार्टी के युवराज जिसने लालू जी का ऑर्डिनेंस फाड़कर, अब मुखिया भी लालू जी नहीं बन सकते हैं बस यही कारण है । कोई दूसरा गुनहगार नहीं है, हम लोग गुनहगार नहीं है, आप गुनहगार है । आप ही कांग्रेस पार्टी के लोगों ने लालू जी को मुखिया बनने से भी रोक दिया । इसलिए एकदम स्पष्ट है और गलतफहमी में आप हैं कि हमने नौकरी दे दी ।

(व्यवधान)

अरे, आप बड़े भाई हैं । कहां दिक्कत है, आप क्यों गुस्सा कर रहे हैं ?

(व्यवधान)

तो क्या राहुल गांधी जी ने ऑर्डिनेंस नहीं फाड़ा है ?

(व्यवधान)

ऑर्डिनेंस फाड़ा है न । ऑर्डिनेंस किसने फाड़ा ? लालू जी का ऑर्डिनेंस किसने फाड़ा ?

उपाध्यक्ष : शकील साहब, आप बैठ जाइये ।

श्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री : देखिये, ये लोग कह रहे थे नौकरी-नौकरी । लालू जी के पूरे राज में, पूरे 15 साल में, 1990 से 2005 तक पूरे बिहार में एक लाख लोगों की भी नौकरी नहीं हुई और आदरणीय नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में 2020 तक, मैं 2020 तक कह रहा हूं, 2020 तक साढ़े सात लाख लोगों की नौकरी हुई और 2020 में हमारा कमिटमेंट था, हम सरकार में आये और दस लाख रोजगार देना था । 1 लाख 75 हजार नौकरी की बात जो विजय बाबू ने कही, ये किसके समय में निकला, इसमें कहां दो मत हैं । विजय बाबू के समय में जब ये शिक्षा मंत्री थे, 1 लाख 75 हजार शिक्षकों की बहाली निकली । कहां आप हैं ?

(व्यवधान)

देखिये, गलतफहमी में मत रहिये । अभी तो देखिये कितना शुभ है । उपाध्यक्ष महोदय, मैं कन्क्लूड करता हूं । लेकिन मैं शुभ लक्षण बताना चाहता हूं कि वित्तमंत्री के तौर

पर आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने हमें बनाया उप मुख्यमंत्री के तौर पर । पहले लक्ष्य था 1 लाख 2 हजार करोड़ रुपया भारत सरकार से मिलने वाला था 2023-24 के वित्तीय वर्ष में और अभी इस मार्च तक का लक्ष्य बदलकर 1 लाख 9 हजार करोड़ रुपया ऑटोमेटिक बढ़ गया बिहार के लिए । बजट का पूरा आकार आपने देखा होगा । 2 लाख 61 हजार करोड़ का बजट रहा है ।

(व्यवधान)

देखिये, आप अपनी बात रखते रहे । आज विश्वास मत के समर्थन में पूरी भारतीय जनता पार्टी खड़ी है ।

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : कृपया, शांति बनाये रखिये । आपके नेता बोल रहे थे, तो कोई नहीं बोल रहा था । शांति बनाये रखिये ।

श्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री : और यह जो गुंडागर्दी हुई है न, एक-एक विभाग की फाईल खुलेगी और सबकी जांच कराने का काम किया जायेगा । मैं जानता हूं कि क्या भ्रष्टाचार हुआ है, यह सब पता चलेगा । इसलिए आज विश्वासमत में पूरी भारतीय जनता पार्टी देश के प्रधानमंत्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में और बिहार में आदरणीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में पूर्ण भरोसा करती है और पूरी भारतीय जनता पार्टी आदरणीय नीतीश कुमार जी को समर्थन करने का काम करेगी । धन्यवाद ।

उपाध्यक्ष : माननीय मुख्यमंत्री जी ।

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : माननीय उपाध्यक्ष महोदय....

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : शांति, शांति ।

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : हमने इस सदन में विश्वास का प्रस्ताव रखा और उस पर विभिन्न दलों के नेताओं ने राय रखी है, सब लोगों ने अपनी बात रखी है ।

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : शांति, शांति ।

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : क्या बात है ? सब लोगों की तो बात हमने सुनी है, तो हमारे बोलने के समय क्या बोल रहे हैं ? सुनना नहीं चाहते हैं हमारी बात ?

उपाध्यक्ष : बोला जाय न मुख्यमंत्री जी ।

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : अगर कोई सुनना नहीं चाहता है, तो सीधे वोट कराइये । तब तो हम जितने लोगों ने अपनी बात रखी है, मैं सबको धन्यवाद देता हूं और अब यह समय आ गया है, हम तो अलग हुए हैं, लेकिन आप जानते हैं कब से शुरू हुआ ? 2005 से जब हम लोगों को काम करने का मौका मिला और तब से यह 18वां साल है और बीच में हमने 9 महीने छोड़कर उनको दे दिया था और फिर हम काम रहे हैं ।

(व्यवधान)

मुझको आश्चर्य होता है कि आप सुनना नहीं चाहते हैं ।

उपाध्यक्ष : आप बोलिये मुख्यमंत्री जी । कृपया, शांति बनाये रखिये ।

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : आपको हो क्या गया है ? हमने सबकी बात सुनी है । अरे, आप समझाइये लोगों को ।

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : शांति, शांति ।

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : अभी तो हम शुरू ही कर रहे हैं । आप सुनिये, उनका कितनी देर हमने सुना है ।

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : शांति, शांति ।

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : 40 मिनट हमने इनकी बात सुनी है । बैठ जाइये । आप लोगों को याद है कब से हमने काम करना शुरू किया ? 2005 से और 2005 से जब काम शुरू हुआ है और उसके बाद बिहार का कितना विकास हुआ है । हमारे पहले इनकी माता को और इनके पिता को 15 साल तक काम करने का मौका मिला, तो क्या हुआ था बिहार में ? क्या होता था ?

(व्यवधान)

शाम में कोई भी आदमी घर से बाहर निकलता था ? आप जरा सोच लीजिए । कहीं-कोई सड़क थी ? कहीं-कोई रास्ता था ? जब हम लोगों को मौका मिला और ये बात करते हैं कि इनके साथ मुस्लिम हैं, तो कितना उस समय हिंदू-मुस्लिम का झगड़ा होता था । जब हम आये, तो हिंदू-मुस्लिम का झगड़ा बंद कराये । इतिहास जानो, 2005 तक के पहले का इतिहास जानो । जिस तरह से मुसलमानों के साथ कार्रवाई हुई थी और जो कुछ भी हुआ, तो 15 साल नहीं किये और जब हमको मौका मिला, तो हमने तुरंत उस पर कार्रवाई की । कौन-सा काम है जो भूल रहे हैं और समाज के

हर तबके के उत्थान के लिए हम लोगों ने काम किया और कितना काम हुआ है, कितना डवलपमेंट हुआ है । अब आप सोचिये कि 11 बजे तक, 12 बजे तक महिलाएं घूमती हैं । उस समय कहां महिलाएं पढ़ती थी ? पांचवीं क्लास के बाद आज क्या है ? अब मेट्रिक तक लड़का-लड़की दोनों बराबर और कितना काम हम लोगों ने किया है । हमने इनको मौका दिया दो बार । जब 2005 में हमने किया, तो ये साथ में थे और जो कुछ भी हमने तय किया सारे काम कि क्या करना है हमको 2005 से 2010 । यह पूरी की पूरी पार्टी ने एकसाथ दिया, उसको स्वीकार किया और कितना आगे बढ़े और फिर 2010 में जो किया, तो जो कुछ भी हमने तय किया । इन लोगों ने तय किया कि यही रहेगा

(क्रमशः)

टर्न-17/धिरेन्द्र/12.02.2024

(क्रमशः)

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : लेकिन जब हम 2015 में सात निश्चय की बात हमने की तो आप लोग भी आये, तो कोई इधर-उधर किया । सात निश्चय मेरी आईडिया थी, किसी और का नहीं था और जब मेरे साथ आ रहे थे तो स्वीकार किये और पहले गड़बड़ नहीं किये और कुछ दिन के बाद हम देख रहे थे कि काम ठीक नहीं कर रहे हैं ये लोग तब हमने फिर इन लोगों का साथ दिया और उसके बाद फिर वर्ष 2020 में जब हमने सात निश्चय-2 तय किया तो इन लोगों ने पूरा का पूरा साथ दिया और एक साथ उसको भी किया और जब आप लोग आये तो सात निश्चय-2 का काम हो रहा था तब ये क्लेम कर रहे हैं कि आप ही किये हैं और इतने बड़े पैमाने पर सब की नियुक्ति हो रही थी तो शिक्षा के मंत्री कौन थे और शिक्षा के बारे में जो तय हो गया था और वही हो रहा था तब आप लोग आये और जबरदस्ती शिक्षा ले लिये और एक बार काँग्रेस भी शिक्षा लिया था लेकिन इधर-उधर नहीं किया । अब आप शिक्षा लिये तो अपने गड़बड़ करते थे हर बार रोक देते थे, हर बार रोकते थे और वही हुआ ।

(व्यवधान)

इसीलिये ये सब बात मत कीजिये और दूसरी बात जब ये लोग साथ थे तब हमने बाकी सब लोगों को एकजुट करने के लिए यहाँ पर मीटिंग भी किया । आप जरा बताइये हम सब को एकजुट कर रहे थे और हम इनलोगों को कह रहे थे कि छः पार्टियाँ हैं तो सभी छः पार्टी को, हमने एक पार्टी को एक किया, हमने कहा कि उनके साथ दो दीजिये और बाकी काँग्रेस को दो ही दिये, हमने कहा कि नहीं उनको दो से

ज्यादा मिलना चाहिए, उनकी 19 सीट है और उसके बाद आप लोगों को, बाकी जो पार्टियाँ थी उन सब लोगों को भी कहा कि उनको सीट मिलनी चाहिए लेकिन इन लोगों को दो ही मिला और ये लोग बराबर हमको आकर कहते थे, हम कहते थे कि जाकर मिल लीजिये आप ही लोग साथ थे तो कुछ हुआ ? तो इसीलिये और बाकी जो हम इतना दिन मेहनत किये और हम सबको एकजुट कर रहे थे तो हम सारा मेहनत कर रहे थे कुछ हुआ और अंत में जब हमको पता चला कि जैसे काँग्रेस पार्टी भी इनकी पार्टी भी इधर से उधर कर रही है, उसको डर लग रहा था । हम बार-बार कह रहे थे कि बाकी पार्टियों को एकजुट कीजिये तो उनको हमसे तकलीफ थी और जब हमको पता चला कि इनके पिता जी भी उनके साथ थे तब हमको पता चल गया कि ये कुछ होने वाला नहीं है और फिर हम अपनी पुरानी जगह पर आ गए जहाँ से हम बहुत पहले थे और अब हम पुरानी जगह पर आ गए हैं, अब सब दिन के लिए हम आ गए हैं, अब चिंता मत कीजिये लेकिन हम किसी को नुकसान नहीं करेंगे, हम आपके, सबके हित में काम करेंगे । आप जिस कॉम्यूनिटी की बात करते हैं, उनके हित के लिए भी काम करेंगे। आप बिना मतलब का...

(व्यवधान)

आप लोगों के हित में तो हम काम करते ही रहेंगे । आप तो मेरे साथ थे पहले और बीच में इधर-से-उधर हुए और आपको मालूम है जब हम पहली बार चुनाव लड़ते थे और उस समय सारे जो हमारे सी॰पी॰आई॰ और सी॰पी॰आई॰(एम॰) के लोग थे, सब हमको साथ देते थे और हमारा रिश्ता, और आपकी पार्टी का रिश्ता हमलोगों के साथ था और बाद में जो इधर-उधर करें । अब आपका हम सब चीज...

(व्यवधान)

सुन न लीजिये, बाद में कहियेगा । हम तो अपनी तरफ से...

(व्यवधार)

उपाध्यक्ष : शांति बनाये रखें ।

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : अब तो सारा काम हो गया है । अब पूरे तौर पर सारा विकास का काम, लोगों के हित में काम और यह सब काम हमलोग करते रहेंगे । हमारा यही आग्रह है, यह जान लीजिये कि कितना ज्यादा सात निश्चय में कितना फायदा हो गया वर्ष 2016 से और सात निश्चय-2 में जो हमने 2021 से शुरू किया आज कितना फायदा हुआ है और यह सब काम इसको हमलोग जारी रखते हैं और इसी के माध्यम से बिहार का विकास होगा और समाज के हर तबके का हमलोग ध्यान रखेंगे, हमलोग

कभी भी किसी के खिलाफ नहीं हैं और बाकी इन लोगों का जो कुछ भी होगा । हमको तो बीच में तकलीफ हो गई कि हम इन लोगों को इज्जत दिये हुए थे और हमको पता चला कि ये लोग कमा रहे हैं । आज तक जब ये पार्टी हमलोगों के साथ थी, कभी इधर-से-उधर नहीं किया था । अब आज शुरू हो गया, अच्छा नहीं है और अभी भी आप एक ही जगह सभी को रखे हुए थे और फिर हमलोगों के पार्टी के और इनके पार्टी के अनेक लोगों को पता चला कि कितना लाख-लाख दे रहे थे सबको इधर-उधर करने के लिए । कहाँ से पैसा आया ? हम सब का जाँच करवायेंगे और याद रखियेगा आप लोगों की पार्टी ठीक नहीं कर रही है, आप गौर कर लीजियेगा । इसीलिए और आपलोग किसलिए इधर-उधर हैं, इधर वाला सब आपका साथ देगा । आपको जब कोई समस्या हो, आकर मिलियेगा और आपकी समस्या का भी समाधान हमलोग करेंगे, चिंता मत कीजियेगा, हम सब का ख्याल रखेंगे लेकिन राज्य के हित में काम कर रहे हैं और राज्य के हित में काम होगा और अब हमलोग जो तीनों एक साथ हैं, अब हम ही लोग तीनों एक साथ रहेंगे और पूरा का पूरा काम करेंगे ।

(इस अवसर पर विपक्ष के सभी माननीय सदस्यगण सदन से बहिर्गमन कर गए)

बैठ जाइये । प्लीज, बैठ जाइये । एक मिनट हम आग्रह करेंगे कि जो मेरे पक्ष में जितने हैं उनका भी वोट ले लीजिये और मेरे खिलाफ जो वोट देना चाहते हैं तो उसका भी वोट दे दीजिये लेकिन आप जा रहे हैं तो जाने दीजिये । मैं तो आग्रह करूंगा कि आज जो हमलोगों के पक्ष में हैं उसका भी वोट ले लीजियेगा, वह गिनती कर लीजियेगा और तब पता चलेगा कि हमलोगों के पक्ष में कितने हैं ।

उपाध्यक्ष : ठीक है, वही होगा ।

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : इन्हीं शब्दों के साथ मैं आपको धन्यवाद देता हूँ ।

उपाध्यक्ष : प्रश्न यह है कि

''यह सभा वर्तमान राज्य मंत्रिपरिषद् में विश्वास व्यक्त करती है ।''

यह प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

(व्यवधान)

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : उपाध्यक्ष महोदय, आपने तो ध्वनि मत से पारित होने की घोषणा की लेकिन आप जानते हैं कि यह बड़ा महत्वपूर्ण मोशन है विश्वास मत का...

(व्यवधान)

महोदय, इसीलिए एक और कारण है कि जनता के बीच तरह-तरह का भ्रम फैलाया गया था कि इतने विधायक गायब हैं, इतने विधायक ये हैं, अभी खेला होना बाकी है

तो हम कहेंगे कि जो भी विश्वास मत के पक्ष में हैं उनकी गिनती आप अवश्य करा लें, इसलिए कि बिहार की जनता को यह समझना चाहिए कि सरकार कितने अच्छे बहुमत से चल रही है ।

उपाध्यक्ष : ठीक है ।

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : उपाध्यक्ष महोदय, सदन से मैं यही अनुरोध करता हूँ कि हमारे प्रस्ताव के पक्ष में मत देकर सरकार के प्रति अपना विश्वास व्यक्त करें ।

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अब मतदान की प्रक्रिया अपनायी जायेगी । सभा सचिव के द्वारा घंटी बजायी जाय ।

(घंटी)

माननीय सदस्यगण, मैं एक बार पुनः प्रस्ताव रखता हूँ ।

(क्रमशः)

टर्न-18/संगीता/12.02.2024

उपाध्यक्ष : प्रश्न यह है कि

''यह सभा वर्तमान राज्य मंत्रीपरिषद् में विश्वास व्यक्त करती है ।''

माननीय सदस्यगण, खड़े होकर मतदान का फलाफल निम्न प्रकार है :-

''हाँ'' के पक्ष में 130 ।

''ना'' के पक्ष में 0 ।

माननीय सदस्यगण, कुल उपस्थित सदस्यों की संख्या के मतदान से बहुमत के आधार पर यह प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

अध्यासी सदस्यों का मनोनयन

उपाध्यक्षः माननीय सदस्यगण, बिहार विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम-12 (1) के अधीन मैं निम्न सदस्यों को सप्तदश बिहार विधान सभा के एकादश सत्र के लिए अध्यासी सदस्य मनोनीत करता हूं :-

1. श्री अमरेंद्र प्रताप सिंह, स0वि0स0
2. श्री हरिनारायण सिंह, स0वि0स0
3. श्री विजय शंकर दूबे, स0वि0स0
4. श्री भूदेव चौधरी, स0वि0स0

5. श्रीमती ज्योति देवी, स0वि0स0

समितियों का गठन

उपाध्यक्षः माननीय सदस्यगण, आज सदन में महत्वपूर्ण कार्य का निष्पादन होना है । सर्वप्रथम बिहार विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम-219(1) के अधीन मैं सप्तदश बिहार विधान सभा के एकादश सत्र के लिए कार्य मंत्रणा समिति का पुनर्गठन निम्न प्रकार करता हूं :-

कार्य मंत्रणा समिति

1. श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री
2. श्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री
3. श्री विजय कुमार सिन्हा, उप मुख्यमंत्री
4. श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री, संसदीय कार्य
5. श्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, मंत्री, ऊर्जा
6. श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, स0वि0स0
7. श्री शकील अहमद खाँ, स0वि0स0

विशेष आमंत्रित सदस्य

1. श्री जीतन राम मांझी, स0वि0स0
2. श्री आलोक कुमार मेहता, स0वि0स0
3. श्री महबूब आलम, स0वि0स0
4. श्री राम रतन सिंह, स0वि0स0
5. श्री अजय कुमार, स0वि0स0

नियमानुसार, उपाध्यक्ष इस समिति के सभापति तथा सभा सचिव इसके सचिव होंगे ।

औपचारिक कार्य

उपाध्यक्ष : माननीय प्रभारी मंत्री, वित्त विभाग ।

श्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री : माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं बिहार राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन अधिनियम-2006 के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 के आर्थिक सर्वेक्षण की प्रति सभा मेज पर रखता हूं ।

उपाध्यक्ष : सभा सचिव ।

सभा सचिव : महोदय, सप्तदश बिहार विधान सभा के दशम सत्र में उद्‌भूत तथा बिहार विधान मंडल के दोनों सदनों द्वारा यथा पारित निम्न 06 (छः) विधेयकों का विवरण सदन पटल पर रखता हूं जिस पर महामहिम राज्यपाल द्वारा भारत के संविधान के अनुच्छेद-200 के तहत अनुमति प्रदान की गयी है :-

क्रमांक	विधेयक का नाम	अनुमति की तिथि
1.	बिहार सचिवालय सेवा (संशोधन) विधेयक, 2023	16.11.2023
2.	बिहार पंचायत राज (संशोधन)विधेयक, 2023	16.11.2023
3.	बिहार माल और सेवा कर (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2023	16.11.2023
4.	बिहार विनियोग (संख्या-4) विधेयक, 2023	16.11.2023
5.	बिहार (शैक्षणिक संस्थानों में नामांकन में) आरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2023	18.11.2023
6.	बिहार पदों एवं सेवाओं की रिक्तियों में आरक्षण (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों एवं अन्य पिछड़े वर्गों के लिए) (संशोधन) विधेयक, 2023	18.11.2023

टर्न-19/सुरज/12.02.2024

शोक प्रकाश

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, कतिपय जननायकों के निधन की सूचना मिली है, जिनके बारे में शोक प्रकट करना हमारा कर्तव्य है :

स्वर्गीय गोवर्धन नायक

बिहार विधान सभा के पूर्व सदस्य श्री गोवर्धन नायक का निधन दिनांक-16 नवम्बर, 2023 को हो गया । निधन के समय उनकी आयु लगभग 81 वर्ष की थी ।

स्वर्गीय नायक संयुक्त बिहार के पश्चिमी सिंहभूम जिला के मझगांव विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से वर्ष 1977 एवं 1995 में बिहार विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुये थे । वह बिहार सरकार में मंत्री भी रहे थे । वे मिलनसार एवं मृदुभाषी व्यक्ति थे । हम उनके निधन से दु:खी हैं ।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति एवं शोक संतप्त परिवार को दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करें ।

स्वर्गीय शिवपूजन सिंह

बिहार विधान सभा के पूर्व सदस्य श्री शिवपूजन सिंह का निधन दिनांक- 30 नवम्बर, 2023 को हो गया । निधन के समय उनकी आयु लगभग 82 वर्ष की थी ।

स्वर्गीय सिंह रोहतास जिला के दिनारा विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से वर्ष 1977 में बिहार विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुये थे । वे मिलनसार एवं मृदुभाषी व्यक्ति थे । हम उनके निधन से दु:खी हैं ।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति एवं शोक संतप्त परिवार को दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करें ।

स्वर्गीय रामचन्द्र राय

बिहार विधान सभा के पूर्व सदस्य श्री रामचन्द्र राय का निधन दिनांक- 23 दिसंबर, 2023 को हो गया । निधन के समय उनकी आयु लगभग 80 वर्ष की थी ।

स्वर्गीय राय समस्तीपुर जिला के मोहिउद्दीन नगर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से वर्ष 1980, 1990, 1995 एवं 2000 में बिहार विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुये थे । वे बिहार सरकार में मंत्री भी रहे थे । वे लोकप्रिय व्यक्ति थे । हम उनके निधन से दु:खी हैं ।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति एवं शोक संतप्त परिवार को दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करें ।

स्वर्गीय रामनाथ गुप्ता

बिहार विधान परिषद् के पूर्व सदस्य श्री रामनाथ गुप्ता का निधन दिनांक- 13 जनवरी, 2024 को हो गया । निधन के समय उनकी आयु लगभग 85 वर्ष की थी ।

स्वर्गीय गुप्ता मुजफ्फरपुर स्थानीय प्राधिकार निर्वाचन क्षेत्र से वर्ष 1970 में बिहार विधान परिषद् के सदस्य निर्वाचित हुये थे । वे मिलनसार एवं मृदुभाषी व्यक्ति थे । हम उनके निधन से दु:खी हैं ।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति एवं शोक संतप्त परिवार को दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करें ।

स्वर्गीय रमेश प्रसाद सिंह

बिहार विधान परिषद् के पूर्व सदस्य श्री रमेश प्रसाद सिंह का निधन दिनांक–14 जनवरी, 2024 को हो गया । निधन के समय उनकी आयु लगभग 86 वर्ष की थी ।

स्वर्गीय सिंह पटना स्नात्तक निर्वाचन क्षेत्र से वर्ष 1978, 1984, 1990 एवं 1996 में बिहार विधान परिषद् के सदस्य निर्वाचित हुये थे । वे लोकप्रिय व्यक्ति थे । हम उनके निधन से दु:खी हैं ।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति एवं शोक संतप्त परिवार को दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करें ।

स्वर्गीय तारा गुप्ता

बिहार विधान सभा की पूर्व सदस्या श्रीमती तारा गुप्ता का निधन दिनांक–17 जनवरी, 2024 को हो गया । निधन के समय उनकी आयु लगभग 96 वर्ष की थी ।

स्वर्गीय गुप्ता जहानाबाद विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से वर्ष 1980 में बिहार विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुई थी । कला संस्कृति के उत्थान में इनका विशेष योगदान रहा । हम उनके निधन से दु:खी हैं ।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति एवं शोक संतप्त परिवार को दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करें ।

स्वर्गीय सूर्य नारायण सिंह यादव

बिहार विधान सभा के पूर्व सदस्य श्री सूर्य नारायण सिंह यादव का निधन दिनांक–24 जनवरी, 2024 को हो गया । निधन के समय उनकी आयु लगभग 89 वर्ष की थी ।

स्वर्गीय यादव पूर्णिया जिला के धमदाहा विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से वर्ष 1977 एवं 1980 में बिहार विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुये थे । वे मिलनसार एवं मृदुभाषी व्यक्ति थे । हम उनके निधन से दु:खी हैं ।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति एवं शोक संतप्त परिवार को दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करें ।

स्वर्गीय गुणानंद झा

बिहार विधान सभा के पूर्व सदस्य श्री गुणानंद झा का निधन दिनांक-29 जनवरी, 2024 को हो गया । निधन के समय उनकी आयु लगभग 90 वर्ष की थी ।

स्वर्गीय झा मधुबनी जिला के बाबूबरही विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से वर्ष 1985 में बिहार विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुये थे । वे बिहार सरकार में मंत्री भी रहे थे । वे मिलनसार, मृदुभाषी एवं कर्मठ व्यक्ति थे । हम उनके निधन से दु:खी हैं ।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति एवं शोक संतप्त परिवार को दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करें ।

स्वर्गीय ब्रहमानंद मंडल

लोकसभा के पूर्व सदस्य श्री ब्रहमानंद मंडल का निधन दिनांक-30 जनवरी, 2024 को हो गया । निधन के समय उनकी आयु लगभग 77 वर्ष की थी ।

स्वर्गीय मंडल मुंगेर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से वर्ष 1991, 1996 एवं 1999 में लोकसभा के सदस्य निर्वाचित हुये थे । वे लोकप्रिय व्यक्ति थे । हम उनके निधन से दु:खी हैं ।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति एवं शोक संतप्त परिवार को दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करें ।

स्वर्गीय सरयुग मंडल

बिहार विधान सभा के पूर्व सदस्य श्री सरयुग मंडल का निधन दिनांक-31 जनवरी, 2024 को हो गया । निधन के समय उनकी आयु लगभग 80 वर्ष की थी ।

स्वर्गीय मंडल पूर्णिया जिला के रूपौली विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से वर्ष 1990 में बिहार विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुये थे । वे मिलनसार व्यक्ति थे । हम उनके निधन से दु:खी हैं ।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति एवं शोक संतप्त परिवार को दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करें ।

उपाध्यक्ष : अब हमलोग एक मिनट तक मौन खड़े होकर सभी दिवंगत आत्माओं की शांति के लिये प्रार्थना करें ।

(एक मिनट का मौन)

मैं अपनी तथा सम्पूर्ण सदन की ओर से शोक संतप्त परिवार के पास संदेश भिजवा दूंगा ।

माननीय सदस्यगण, मैं पक्ष और विपक्ष दोनों तरफ के माननीय सदस्यों को धन्यवाद देना चाहता हूं कि आपलोगों ने बिहार की संस्कृति और गौरव को बढ़ाने का काम किया । जिस तरह से मीडिया में खबर थी, जिस तरह से आम लोगों में चर्चा थी कि आज क्या होगा सदन में । लेकिन मैं सबको धन्यवाद देता हूं चूंकि जिस तरह से कानून का पालन पक्ष और विपक्ष दोनों के द्वारा संविधान का सम्मान करने का काम किया, बिहार की संस्कृति और यहां के गौरव को बढ़ाने का काम किया । इसके लिये मैं सभी माननीय सदस्यों पक्ष और विपक्ष दोनों को धन्यवाद देना चाहता हूं और साथ ही मैं सत्ता पक्ष के सदस्यों को भी विशेष धन्यवाद देना चाहता हूं कि जिन परिस्थितियों में इन्होंने शांतिपूर्ण ढंग से माननीय विपक्ष के नेता की भी बात सुनने का काम किये और विपक्ष के लोग सत्ता पक्ष की भी बात सुनने का काम किये । इसके लिये मैं धन्यवाद देता हूं, आभार प्रकट करता हूं ।

अब सभा की बैठक, मंगलवार दिनांक-13 फरवरी, 2024 को 11:00 बजे पूर्वाह्न तक के लिये स्थगित की जाती है ।